YouTube Subscribe Amar Bhaskar News | @amarbhashkarnews | Amar bhashkar

हिन्दी दैनिक

अमर भास्कर

ज़िद सच की

उत्तर प्रदेश, दिल्ली, हरियाणा, मध्यप्रदेश, झारखंड, बिहार, छत्तीसगढ़ एवं उत्तराखंड में प्रसारित

Email- amarbhashkar21@gmail.com, www.amarbhashkar.in

वर्ष: 02 अंक: 194 | बदायूं, गुरूवार 30 जनवरी 2025 | पृष्ठ- 08 | मूल्य- 4.00 रूपये

महाकुंभ मेला प्रशासन के निर्देशों का पालन करें....01

पीएम मोदी बोले क्या हरियाणा वाले अपने बच्चों के.....01

महाकुंभ में मध्य रात्रि हुआ भीषण हादसा

महाकुंभ भगदड़ में 30 श्रद्धालु की मौत, 60 से ज्यादा घायल

प्रयागराज। महाकुंभ मेले में भगदड़ के बाद अखाड़े अमृत स्नान कर रहे हैं। अभी स्थिति नियंत्रण में है। पुलिस भीड़ को व्यवस्थित करने की हर संभव कोशिश कर रही है। आम लोगों के लिए भी स्नान की कई घाटों पर व्यवस्था की गई है। प्रशासन का अनुरोध है कि आप जहां पर भी हैं वहीं स्नान का लाभ ले लीजिए। संगम नोज की तरफन जाएं।

उत्तर प्रदेश के प्रयागराज में चल रहे महाकुंभ में हुई भगदड़ मामले में प्रशासन की ओर से जानकारी साझा कर दी गई है। महाकुंभ डीआईजी वैभव कृष्ण ने जानकारी देते हुए बताया कि महाकुंभ में रात 1-2 बजे के

बीच भगदड़ हुई थी। जिसमें 90 लोगों को अस्पताल पहुंचाया गया। इसमें से 30 लोगों की मौत हो गई है। 25 लोगों की पहचान हो गई है और बाकी 5 की पहचान की जा रही है।

महाकुंभ मेला क्षेत्र के डीआईजी वैभव कृष्ण ने प्रेस कॉन्फ्रेंस करके जानकारी दी। उन्होंने बताया कि महाकुंभ में हुई भगदड़ में 30 लोगों की मौत हुई है। 90 लोगों को अस्पताल लगाया गया। जिसमें से 30 लोगों ने दम तोड़ दिया, इनमें से 25 लोगों की शिनाख्त हो गई है। जिसमें कर्नाटक के चार, गुजरात के एक श्रद्धालु की मौत हुई है। 60 लोग घायल हैं। बैरिकेड्स टूटने की वजह से भगदड़ हुई। महाकुंभ भगदड़ मामले में केंद्रीय मंत्री चिराग पासवान ने कहा कि भगदड़ के चलते लोगों को अपनी जान गंवानी पड़ी है। मृतकों के प्रति मैं अपनी और अपनी पार्टी की तरफसे श्रद्धांजलि प्रकट करता हूं। जो भी लोग इस हादसे में घायल हुए हैं। उनके भी जल्द स्वस्थ होने की कमना करता हूं। ये घटना दुखद है। किस कारण से इतनी बड़ी घटना घटी है। उस पर पीएम मोदी लगातार निगरानी कर रहे हैं। मुख्यमंत्री भी लगातार संपर्क में हैं। भविष्य में ये घटना न घटे इस बात को हमारी सरकार सुनिश्चित कर रही है। ये घटना कैसे घटी इसकी जानकारी लेकर उचित कार्रवाई की जाएगी।

उत्तर मध्य रेलवे के सीपीआरओ शशिकांत त्रिपाठी ने कहा, मौनी अमावस्या पर स्नान करने के बाद बड़ी संख्या में श्रद्धालु रेलवे परिसर की ओर आ रहे हैं। अब धीरे-धीरे भीड़ रेलवे स्टेशन की ओर बढ़ रही है। दोपहर तक लगभग 50 उत्तर मध्य रेलवे, 13 उत्तर रेलवे और 20 पूर्वोत्तर रेलवे के माध्यम से कुल 80 से अधिक विशेष ट्रेनें संचालित की गईं। रेलवे प्रशासन ने आज 190 विशेष ट्रेनें चलाने की योजना बनाई है ताकि लोगों को कोई असुविधा न हो।

पीएम मोदी बोले- क्या हरियाणा वाले अपने बच्चों के पानी में जहर मिलाएंगे

हार के डर से बौखलाई आप

दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने बुधवार को दिल्ली के करतार नगर इलाके में रैली की। पीएम मोदी ने यहां चुनावी रथ सभा को संभोधित करते हुए आम आदमी पार्टी को घेरा। हरियाणा पर दिए गए बयान को लेकर पीएम मोदी ने अरविंद केजरीवाल पर पलटवार किया। पीएम मोदी ने कहा कि आम आदमी पार्टी कह रही है कि हरियाणा वाले यमुना के जल में जहर मिला रहे हैं, यह हरियाणा का नहीं पूरे देश का अपमान है। हरियाणा का भेजा हुआ यही पानी दिल्ली में रहने वाला हर कोई पीता है। पिछले 11 साल से ये प्रधानमंत्री भी पीता है, सभी न्यायमूर्ति और बाकी सभी सम्मानित लोग भी पीते हैं।

पीएम ने जनसभा को संबोधित करते हुए कहा, आप दा वालों ने दिल्ली को पानी माफिया के भरोसे छोड़ दिया है। इन लोगों ने तीन चुनावों में यमुना जी की सफाई के नाम पर वोट मांगे। आज कह रहे हैं कि यमुना जी वोट नहीं देतीं। ये आप-दा वालों की सरासर बेशर्मी है, बेईमानी है, बदनीयती है। अपने राजनीतिक स्वार्थ में आप-दा वालों ने एक और घोर पाप किया है और ये पाप कभी भी माफ नहीं हो सकता है। दिल्ली के एक पूर्व मुख्यमंत्री ने हरियाणा के लोगों पर घिनौने आरोप लगा दिए हैं। हार के डर से आप-दा वाले बौखला गए हैं। क्या हरियाणा दिल्ली से अलग है? क्या हरियाणा वालों के बच्चे, परिवार और नाते-रिश्तेदार दिल्ली में नहीं रहते। क्या हरियाणा के लोग अपने ही बच्चों के पानी में जहर मिला सकते हैं। हरियाणा का भेजा हुआ यही पानी दिल्ली में रहने वाला हर कोई पीता है, पिछले 11 साल से ये प्रधानमंत्री भी पीता है, सभी न्यायमूर्ति और बाकी सभी सम्मानित लोग भी पीते हैं। जनसभा को संबोधित करते हुए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा, दिल्ली अब एक ऐसी सरकार चाहती है, जो गरीबों के लिए घर बनाए और दिल्ली को आधुनिक बनाए।

एक नजर

10 हजार रिश्वत लेते हुए सिपाई गिरफ्तार

अमर भास्कर, ब्यूरो

बदायूं। एंटी करप्शन टीम ने बुधवार को बदायूं शहर की नवादा पुलिस चौकी से सिपाही मनोज कुमार को जमीन के एक मामले में दस हजार रुपये की रिश्वत लेते हुए रंगेहाथ गिरफ्तार कर लिया। चौकी क्षेत्र के अंतर्गत आरिफपुर नवादा निवासी सादाब पुत्र राहत हुसैन ने एक प्लॉट बेचा था। जिसके चलते दूसरे पक्ष ने नवादा चौकी पुलिस से शिकायत कर दी थी। उनका आरोप है कि इस मामले को लेकर उनसे रिश्वत मांगी जा रही थी।

सादाब ने इस मामले की शिकायत एंटी करप्शन टीम से की, जिसके बाद एंटी करप्शन टीम ने बुधवार को घेराबंदी करके सिपाही को रंगेहाथ रिश्वत लेते हुए पकड़ लिया। आरोपी सिपाही को गाड़ी में बैठाकर बिनावर थाने ले गई। सिपाही के खिलाफमुकदमा दर्ज कराया गया है।

सीएम योगी की अपील- महाकुंभ मेला प्रशासन के निर्देशों का पालन करें, अफवाहों पर ध्यान न दे

लखनऊ। महाकुंभ में हुई भगदड़ के बाद मुख्यमंत्री योगी ने श्रद्धालुओं से अपील की है कि वह संगम नोज जाने के बजाय निकट के घाट पर स्नान कर लें। सीएम योगी ने कहा है कि स्नान के लिए कई घाट बनाए गए हैं। लोग वहां स्नान कर सकते हैं। उन्होंने कहा कि इस मामले में प्रशासन के नियमों का ध्यान रखें और किसी प्रकार की अफवाह में न आएं।

मौनी अमावस्या पर भारी भीड़ और भगदड़ की घटना के चलते सभी अखाड़ों ने अमृत स्नान न करने का एलान किया है। यह एलान अखाड़ा परिषद अध्यक्ष श्रीमहंत रविंद्र गिरी ने निरंजन छावनी से किया। अखाड़ा परिषद अध्यक्ष ने

कहा जिस तरह से श्रद्धालुओं की भीड़ है और भगदड़ की घटना सामने आई है उससे अखाड़े ने स्नान न करने का फैसला लिया है। अखाड़े के वहां जाने से स्थिति और भी बिगड़ सकती थी।

मौके से सामने आए वीडियो के अनुसार कुछ महिलाओं और बच्चों को भी चोट लगी है। अभी हालात काबू में बताये जाते हैं। महाकुंभ नगर प्रशासन ने श्रद्धालुओं से अफवाहों पर ध्यान न देने और संयम बरतने की अपील की है। बताया जाता है कि प्रयागराज के संगम तट पर अमृत स्नान से पहले देर रात करीब 2 बजे भगदड़ मच गई। इसमें कुछ लोगों के मरने की बात कही जा रही है। एक प्रत्यक्षदर्शी के मुताबिक भगदड़ मचते ही लोग दौड़ने लगे। अभी प्रशासन की ओर से कोई आधिकारिक जानकारी सामने नहीं आई है। मुख्यमंत्री योगी ने कहा है कि श्रद्धालुगण मां गंगा के जिस भी घाट के समीप हैं, वहीं स्नान करें, संगम नोज की ओर जाने का प्रयास न करें। स्नानार्थियों के लिए कई घाट बनाए गये हैं, जहां सुविधाजनक रूप से स्नान किया जा सकता है। उन्होंने सभी से मेला प्रशासन के निर्देशों का पालन करने की अपील की है। सीएम योगी ने सभी से अपील की है कि वह किसी भी प्रकार के अफवाहों पर ध्यान न दें।

अखिलेश यादव-मायावती ने घटना को दुख:द बताते हुए सरकार से अपील की

लखनऊ। महाकुंभ में स्नान के लिए मौनी अमावस्या पर प्रयागराज में उमड़ी भारी भीड़ और मची भगदड़ को देखते हुए प्रशासन ने लोगों से संयम बरतने और मेला प्रशासन के निर्देशों का पालन करने की अपील की है। अखिलेश यादव ने एक्स पर बयान जारी कर कहा कि महाकुंभ में अव्यवस्थाजन्य हादसे में श्रद्धालुओं के हताहत होने का समाचार बेहद दुखद है। श्रद्धांजलि! हमारी सरकार से अपील है कि गंभीर रूप से घायलों को एअर एंबुलेंस की मदद से निकटतम सर्वश्रेष्ठ हॉस्पिटलों तक पहुंचाकर तुरंत चिकित्सा व्यवस्था की जाए। - मृतकों के शवों को चिन्हित करके उनके परिजनों को सौंपने और उन्हें उनके निवास स्थान तक भेजने का प्रबंध किया जाए।-? जो लोग बिछड़ गये हैं, उन्हें मिलाने के लिए त्वरित प्रयास किये जाएं। - हैलीकाप्टर का सदुपयोग करते हुए निगरानी बढ़ाई जाए। - सतयुग से चली आ रही 'शाही स्नान' की अखण्ड-अमृत परंपरा को निरंतर रखते हुए, राहत कार्यों के समानांतर सुरक्षित प्रबंधन के बीच 'मौनी अमावस्या के शाही स्नान' को संपन्न कराने की व्यवस्था की जाए।

कैबिनेट ने 16300 करोड़ रुपये के खनिज मिशन को दी मंजूरी

केंद्रीय मंत्री अश्विनी वैष्णव ने किया एलान

दिल्ली। केंद्रीय मंत्रीमंडल ने 16,300 करोड़ रुपये के खनिज मिशन को मंजूरी दे दी है। केंद्रीय मंत्री अश्विनी वैष्णव ने बुधवार को इसका एलान किया। इसके साथ ही कैबिनेट ने सी श्रेणी के भारी गुड़ से उत्पादित इथेनॉल की एक्स-मिल कीमत 56.28 रुपये प्रति लीटर से बढ़ाकर 57.97 रुपये प्रति लीटर करने को भी मंजूरी दे दी है। सरकार की ओर से निर्धारित इथेनॉल की कीमतें 2022-23 इथेनॉल आपूर्ति वर्ष (नवंबर-अक्तूबर) के बाद से नहीं बढ़ाई गई थी। गन्ने के रस, बी-हैवी गुड़ और सी-हैवी गुड़ से उत्पादित इथेनॉल की वर्तमान दरें क्रमश: 65.61 रुपये, 60.73 रुपये और 56.28 रुपये प्रति लीटर हैं।

केंद्रीय मंत्रिमंडल ने बुधवार को इस वर्ष 31 अक्तूबर को समाप्त होने वाली 2024-25 अवधि के लिए इथेनॉल की कीमतों का एलान किया। सी श्रेणी के भारी गुड़ से प्राप्त इथेनॉल की एक्स-मिल कीमत 1.69 रुपये बढ़ाकर 57.97 रुपये प्रति लीटर करने को मंजूरी दी गई। बी श्रेणी के भारी गुड़ और गन्ना रस/चीनी/चीनी सिरप से उत्पादित इथेनॉल की कीमतों में कोई बदलाव नहीं किया गया। इनकी कीमतें क्रमश: 60.73 रुपये प्रति लीटर और 65.61 रुपये प्रति लीटर पर अपरिवर्तित रखी गईं। इथेनॉल की कीमतें बढ़ाने का फैसला आर्थिक मामलों की मंत्रिमंडलीय समिति ने ली। इसकी जानकारी देते हुए सूचना व प्रसारण मंत्री अश्विनी वैष्णव ने बताया कि इथेनॉल आपूर्ति वर्ष 2024-25 के लिए सार्वजनिक क्षेत्र की तेल विपणन कंपनियों के लिए इथेनॉल खरीद मूल्य में संशोधन को मंजूरी दी गई है। सरकार ने पेट्रोल में 20 प्रतिशत इथेनॉल मिश्रण का लक्ष्य भी 2030 से घटाकर इथेनॉल वर्ष 2025-26 कर दिया है। एक आधिकारिक विज्ञप्ति में कहा गया है, इस दिशा में एक कदम उठाते हुए, तेल विपणन कंपनियों ने चालू ईएसवाई 2024-25 के दौरान 18 प्रतिशत इथेनॉल के मिश्रण की योजना बनाई है।

मौनी अमावस्या: त्रिवेणी योग ने श्रद्धालुओं ने लगाई गंगा में डुबकी

अमर भास्कर, ब्यूरो

लखनऊ। मौनी अमावस्या पर त्रिवेणी योग में बुधवार को श्रद्धालुओं ने त्रिवेणी योग में अलग-अलग गंगा घाट और तीर्थनगरी के हरि की पौड़ी पर गंगा स्नान कर पुण्यलाभ अर्जित किया। ब्रह्म मुहूर्त में तारों की छांव में शुरू हुआ मौनी अमावस्या का विशेष स्नान दोपहर तक चला। श्रद्धालुओं ने गंगा स्नान कर मां गंगा से सुख समृद्धि की कामना की।

मौनी अमावस्या पर त्रिवेणी योग बना। सूर्य, चंद्रमा व बुध ने यह योग बनाया। आचार्यों के द्वारा त्रिवेणी योग का मुहूर्त बहुत अच्छा बताया। श्रद्धालुओं ने ब्रह्म मुहूर्त में तारों की छांव के बीच स्नान

शुरू किया। स्नान शुरू होते ही हर हर गंगे के जयकारे सुनाई देने लगे।

तीर्थनगरी हरि की पौड़ी लहरा गंगा घाट, कादरगंज गंगा घाट व कछला गंगा घाट पर श्रद्धालुओं ने मौन व्रत रखकर गंगा में डुबकी लगाई और गंगा स्नान के बाद पूजा अर्चना की। इसके बाद विधिवत मौन व्रत खोला। तीर्थनगरी में हरि की पौड़ी के घाटों पर श्रद्धालुओं ने पितरों की शांति के लिए अनुष्ठान किए। विद्वान आचार्यों के द्वारा पितृ पूजा कराई गई।

गंगा स्नान के बाद श्रद्धालुओं ने तीर्थनगरी क्षेत्राधीश वराह मंदिर पहुंचकर भगवान वराह के दर्शन कर प्रसाद चढ़ाया। अपने परिवार की खुशहाली और समृद्धि का आशीष मांगा। श्रद्धालुओं ने बालाजी दरबार, रघुनाथजी, सोमेश्वर दरबार, सिद्ध हनुमान, द्वारिकाधीश, मानस मंदिर, शनि मंदिर, सिद्ध विनायक, राधा कृष्ण, गंगा माता आदि मंदिरों में भी दर्शन पूजन किए। श्रद्धालु योगमार्ग स्थित संतों के आश्रम महेश दयानंद सोहम आश्रम, प्रेमी बाबा आश्रम, भक्त आश्रम, अमृतानंद आदि आश्रमों में भी पहुंचे जहां संतों के लिए अन्न क्षेत्र का आयोजन किया गया। श्रद्धालुओं ने गंगा स्नान कर शूकर क्षेत्र की पंचकोसी परिक्रमा लगाई। हरि नाम का संकीर्तन करते हुए श्रद्धालुओं ने परिक्रमा मार्ग में बैठे गरीब निर्धनों को वस्त्र, अनाज आदि का दान भी किया।

हरियाणा के सीएम ने नदी का पानी पिया

अमर भास्कर, ब्यूरो

दिल्ली। यमुना में बढ़े अमोनिया को लेकर मचे सियासी घमासान के बीच हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने बुधवार को दिल्ली से सटे पल्ला गांव में यमुना नदी से पानी को पिया। इस दौरान सीएम नायब सिंह सैनी ने कहा कि अपने राजनीतिक फायदे के लिए लोगों के मन में डर पैदा करने के लिए अरविंद केजरीवाल ने विवादिता बयान दिया। आज मैं यहां यमुना नदी के तट पर आया हूं और यमुना से पानी का एक घूंट पिया है। जल संसाधन प्राधिकरण ने यहां से नमूने लिए और पानी में कोई जहर नहीं मिला। आम आदमी पार्टी के संयोजक अरविंद केजरीवाल ने हरियाणा की भाजपा सरकार पर यमुना में जहर मिलाने का दावा किया था। आप का कहना है कि हरियाणा से आने वाले पानी में अमोनिया की मात्रा बहुत अधिक होने से दिल्ली के तीन जल आपूर्ति संयंत्र बंद होने के कगार पर पहुंच गए हैं और राष्ट्रीय राजधानी में जल संकट शुरू हो गया है। वहीं, के जरीवाल के आरोपों पर मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी व हरियाणा भाजपा ने पलटवार किया था।

अमर भास्कर

आवश्यकता है-

अमर भास्कर

(हिन्दी दैनिक समाचार पत्र एवं न्यूज चैनल)

को पूरे देश में प्रदेश स्तर, मण्डल स्तर

जिला स्तर, तहसील स्तर, ब्लॉक एवं थाना स्तर पर

अनुभवी एवं शिक्षित संवाददाता एवं विज्ञापन प्रभारियों की।

संपर्क करें:-

मोबा. 9411214614, 9058143211, 7599339198

ऑफिस:-

निकट होटल रिजेन्सी, लावेला चौक, बदायूँ (उ.प्र.)- 243601

www.amarbhashkar.com

Email- amarbhashkar21@gmail.com

विधिक जागरूकता शिविर का किया गया आयोजन

अमर भास्कर, ब्यूरो।

अलीगढ़। जिला जज एवं अध्यक्ष जिला विधिक सेवा प्राधिकरण संजीव कुमार के आदेश के आलोक में अपर जिला जज एवं जिला विधिक सेवा प्राधिकरण सचिव नितिन श्रीवास्तव की अध्यक्षता में एवं सिविल जज इगलास गंधर्व पटेल एवं अन्य अधिकारीगण की उपस्थिति में राजकीय बालिका इण्टर कॉलेज इगलास में महिलाओं के हितार्थ विधान से समाधान कार्यक्रम के अन्तर्गत एक विधिक जागरूकता शिविर का आयोजन किया गया।

महिलाओं के हितार्थ विधान से समाधान कार्यक्रम के अन्तर्गत आयोजित विधिक जागरूकता शिविर में रिसोंस पर्सन अंजली चौहान असिस्टेण्ट प्रो विवेकानन्द लॉ कॉलेज द्वारा उपस्थित छात्राओं व महिलाओं को कानूनी प्रावधान यथा घरेलू हिंसा अधिनियम, दहेज उत्पीडन अधिनियम, महिलाओं के विरूद्ध होने वाले अपराध से सम्बन्धित भारतीय सुरक्षा संहिता की धाराओं, कन्या भ्रूण हत्या, पॉष एक्ट एवं पुरूशों के समान महिलाओं को भी पारिश्रमिक प्राप्त करने का अधिकार है, इत्यादि के बारे में विस्तृत रूप से जानकारी दी।बाल संरक्षण अधिकारी हितेष कुमारी द्वारा विधिक जागरूकता शिविर में उपस्थित छात्राओं व महिलाओं को उ०प्र० सरकार द्वारा सचालित कन्या सुमगला योजना, मुख्यमन्त्री बाल सेवा योजना, स्पोन्सरषिप योजना, निराश्रित महिला योजना एवं रानी लक्ष्मीबाई महिला सम्मान कोश इत्यादि के बारे में विस्तृत एवं महत्वपूर्ण जानकारियां प्रदान की गयी। कन्या सुमगला योजना के बारे में विस्तार पूर्वक बताते हुये अवगत कराया गया कि कन्या सुमगला योजना 6 चरणों में कार्य करती है। जिसमें प्रथम चरण में बालिका के जन्म के समय ०5 हजार रूपये, द्वितीय चरण में बालिका की एक वर्ष की आयु होने पर उसका टीकाकरण पूर्ण होने पर ०2 हजार रूपये, तृतीय चरण में प्रथम कक्षा में प्रवेश के समय ०3 हजार रूपये, चतुर्थ चरण मे कक्षा ०6 में प्रवेश के समय ०3 हजार रूपये, पॉचवे चरण में कक्षा ०9 में प्रवेष के समय ०5 हजार रूपये व छठे व अंतिम चरण में कक्षा 1० व 12 के वाद डिप्लोमा या स्नातक प्रवेश के लिए ०7 हजार रूपये प्रदान किये जाते है इस प्रकार बालिका के जन्म से लेकर उसके डिप्लोमा या स्नातक के प्रवेष के समय तक कुल 25००० रूपये की धनराशि माता-पिता के खातों मे प्रदान की जाती है। विधिक जागरूकता षिविर में उपस्थित नीतू उपाध्याय, ग्राम विकास अधिकारी, इगलास द्वारा समाज कल्याण विभाग द्वारा संचालित छात्रवृत्ति योजना है।

एएमयू में दिवस पर स्मृति कार्यक्रम का आयोजन

अलीगढ़। अमुवि की अली सोसाइटी के तत्वाधान में हजरत इमाम अली की जयंती के उपलक्ष में 1 फरवरी, 2०25 को शाम 6.3० बजे कैनेडी ऑडिटोरियम में 72वें अली दिवस स्मृति सभा का आयोजन किया जायेगा। अली सोसाइटी द्वारा गत सात दशकों से अधिक समय से हजरत इमाम अली की जयंती के अवसर पर विभिन्न प्रतिस्पर्धी कार्यक्रमों का आयोजन किया जाता रहा है, जिनमें भाषण, निबंध लेखन और पोस्टर बनाने की प्रतियोगिताएं और मौलाना आजाद लाइब्रेरी के सहयोग से पांडुलिपियों की प्रदर्शनी का आयोजन शामिल है। इस वर्ष भी हजरत अली की शिक्षाओं से छात्रों और अन्य लोगों के जीवन को रोशन करने के लिए इन प्रतियोगिताओं का पूरे उत्साह के साथ आयोजन किया गया। स्मृति कार्यक्रम की अध्यक्षता एएमयू की कुलपति प्रोफेसर नईमा खातून करेंगी।

साक्षात्कार में संवाद कौशल व आत्मविश्वास है जरूरी

अमर भास्कर, ब्यूरो।

अलीगढ़। डिजिटल होती दुनिया में वर्चुअल साक्षात्कार में दक्षता प्राप्त करके करियर को सफल बनाने के उद्देश्य से मंविवि के ट्रेनिंग एंड प्लेसमेंट सेल द्वारा विद्यार्थियों के लिए कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यशाला का विषय श्वर्चुअल इंटरव्यू में सफलता कैसे पाएं था।

मुख्य वक्ता गेटवर्क कंपनी के डायरेक्टर राहुल बीरवाल ने विद्यार्थियों को संवाद कौशल, आत्मविश्वास और सकारात्मक दृष्टिकोण बनाए रखने के महत्व पर जोर दिया। उन्होंने वर्चुअल इंटरव्यू के दौरान पूछे जाने वाले प्रश्नों और उन्हें प्रभावी ढंग से उत्तर देने के तरीके सिखाए। एआई की बढ़ती प्रासंगिकता की जानकारी देते हुए विद्यार्थियों को ड्रेसिंग सेंस और बॉडी लैंग्वेज पर भी ध्यान देने की सलाह दी जो वर्चुअल प्लेटफॉर्म पर महत्वपूर्ण हैं।

ट्रेनिंग एंड प्लेसमेंट सेल के डायरेक्टर डा. अर्शी मलिक ने आभार व्यक्त किया। ट्रेनिंग एंड प्लेसमेंट सेल प्रभारी डा. विपिन कुमार ने बताया कि इस तरह की कार्यशाला वर्तमान समय की मांग को देखते हुए अति आवश्यक हैं। क्योंकि अब ज्यादातर कंपनियां वर्चुअल माध्यम से ही इंटरव्यू आयोजित करती हैं। विद्यार्थियों द्वारा पूछे गए प्रश्नों के उत्तर देकर जिज्ञासाओं का समाधान किया गया। विद्यार्थियों ने बताया कि कार्यशाला उनके ज्ञानवर्धन में सफल रही। वहीं, वर्चुअल जॉब फेयर में सफलता प्राप्त करने वाले विद्यार्थियों को सम्मानित भी किया गया।

32 करोड़ रुपये की लागत से बनेगा छात्रावास

अमर भास्कर, ब्यूरो।

अलीगढ़। शिक्षा के क्षेत्र में समर्पित भाव से सतत काम कर रहा मंगलायतन विश्वविद्यालय अपने साज-सज्जा और सुविधाजनक छात्रावासों के लिए भी जाना जाता है। अत्याधुनिक सेवाओं से सुसज्जित छात्रावासों के क्रम में मंगलायतन अपने विद्यार्थियों को एक नौ मंजिला हाइटेक हॉस्टल की सौगात देने जा रहा है।

बेसवा स्थित मंगलायतन विश्वविद्यालय के मुख्य परिसर में बनने जा रहे इस छात्रावास का भूमि पूजन वैदिक मंत्रोच्चारण के साथ हुआ। भूमि पूजन में शामिल हुए मुख्य यजमान सिद्धार्थ गोयल ने बताया कि 32 करोड रुपये की लागत से बनने वाली यह नौ मंजिला इमारत होगी। मंगलायतन विश्वविद्यालय के इंजीनियर प्रो. महेश कुमार ने बताया कि 2.25 लाख वर्गफुट में बन रहे इस भवन को भूकंपरोधी और अग्नि सुरक्षा मानकों के अनुरूप बनाया जा रहा है। 1,577 छात्रों के लिए बनाए जा रहे इस छात्रावास में फोर सीटर के 248 कमरे और थ्री सीटर के 195 कमरों का प्रावधान है। इसके अतिरिक्त छात्रावास भवन में डायनिंग हाल, कामन एरिया, जिम, स्टडी स्पेस और अत्याधुनिक लिफ्ट जैसी सुविधाएं हैं। भवन निर्माण की समय सीमा 18 माह रखी गई है। छात्रावास भवन के भूमिपूजन के अवसर पर विश्वविद्यालय के कुलसचिव ब्रिगेडियर समरवीर सिंह, परीक्षा नियंत्रक प्रो.दिनेश शर्मा, वित्त अधिकारी मनोज गुप्ता, डीन, डायरेक्टर्स और विभागाध्यक्ष उपस्थित थे। कार्यक्रम का प्रबंधन प्रशासनिक अधिकारी गोपाल राजपूत ने किया।

गौरवशाली रहा है भारतीय अखबारों का इतिहास

अलीगढ़। मंविवि में पत्रकारिता एवं जनसंचार विभाग द्वारा भारतीय समाचार पत्र दिवस मनाया गया। इस दौरान भारत में समाचार-पत्रों का गौरवशाली अतीत और वर्तमान परिदृश्य पर विचार गोष्ठी हुई। गोष्ठी में विभागाध्यक्ष डा. संतोष गौतम ने कहा कि 29 जनवरी 178० में जेम्स आगस्टस हिक्की ने कोलकाता में बंगाल गजट समाचार पत्र का प्रकाशन कर भारत में समाचार पत्र प्रकाशन की शुरुआत की थी। उन्होंने बताया कि आज हिक्की के समाचार पत्र प्रकाशन की परंपरा पर चलते हुए देश में अनेकों समाचार पत्रों का प्रकाशन हो रहा है। समाचार पत्रों के वर्तमान परिदृश्य पर बोलते हुए डीपीआरओ प्रो. प्रदीप कुमार ने कहा कि पत्रकार लोकतंत्र का चौथा स्तंभ है। पत्रकार आज भी निष्पक्षता व निर्भीकता से अपना दायित्व निभा रहे हैं।

डीएम ने नुमाइश की तैयारियों का किया निरीक्षण

अमर भास्कर, ब्यूरो।

अलीगढ़। जिलाधिकारी ने ०2 फरवरी से प्रस्तावित अलीगढ़ की राजकीय औद्योगिक एवं कृषि प्रदर्शनी के सफल आयोजन को लेकर बुधवार को नुमाइश मैदान का स्थलीय निरीक्षण कर व्यवस्थाओं का जायजा लिया। उन्होंने सर्वप्रथम कृष्णांजलि नाट्यशाला का निरीक्षण कर उसकी साज-सज्जा, लाइट एवं साउण्ड व्यवस्थाओं का जायजा लेते हुए अधूरी तैयारियां पर नाराजगी प्रकट करते हुए सभी कार्य समय से पूर्ण करने के सख्त निर्देश दिए।

डीएम ने दरबार हॉल में लगाए जाने वाले पुस्तक मेले को और अधिक भव्य एवं सार्थक बनाने के लिए बीएसए को निर्देशित किया कि नए लेखकों एवं ज्ञानवर्धक साहित्य को इसमें प्राथमिकता दी जाए।जिलाधिकारी ने सम्पूर्ण नुमाइश परिसर के भ्रमण के उपरांत कोहिनूर मंच का रूख किया, वहां पर रंगाई-पुताई एवं अन्य कार्य होते हुए मिले। जिस उन्होंने प्रभारी अधिकारी प्रदर्शनी एवं एडीएम सिटी को निर्देशित किया कि सभी मंचों को साज-सज्जा एवं साफ-सफाई का विशेष ध्यान रखते हुए सभी तैयारियां समय से पूर्ण करा ली जाएं।

उन्होंने कृषि कक्ष की तैयारियों के संबंध में उप कृषि निदेशक यशराज सिंह एवं उद्योग कक्ष के संबंध में प्रबंधक जिला उद्योग केंद्र बृजेश यादव से जानकारी लेते हुए आवश्यक निर्देश दिए। उन्होंने उप निदेशक कृषि को निर्देशित किया कि कृषि से संबंधित विभागों से समन्वय कर सभी स्टॉल्स एवं दुकानों को समय से लगाना सुनिश्चित करें। उन्होंने उद्योग कक्ष की तैयारियों को लेकर निर्देशित किया कि उद्यमियों से वार्ता कर विभागीय योजनाओं को बढ़ावा देने के लिए स्थानीय दुकानदारों के उत्पादों का प्रदर्शन किया जाए।निरीक्षण के दौरान सीडीओ प्रखर कुमार सिंह आदि मौजूद रहे।

सम्मान समारोह में एमएलसी का हुआ स्वागत

अमर भास्कर, ब्यूरो।

सुरीर। मंगलवार को गांव जरारा में सम्मान समारोह का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में पहुंचे एमएलसी योगेश नौहवार ने कहा कि अब क्षेत्र में तेजी से विकास कार्य होंगे। साथ ही विकास कार्यों में किसी के साथ सौतेला व्यवहार नहीं होगा। उन्होंने बताया कि मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ उनको बहुत स्नेह करते हैं। यही कारण है कि उनके द्वारा भेजे गए सभी प्रस्ताव स्वीकार कर लिए गए हैं। उन्होंने कहा कि राजनीति में वह पैसा कमाने नहीं आए हैं, विकास कार्य करना और लोगों की सेवा करना ही उनका एकमात्र उद्देश्य है। जरारा व आस-पास के ग्रामीणों ने एमएलसी योगेश नौहवार का जोरदार स्वागत किया। कार्यक्रम की अध्यक्षता पं. भूदेव प्रसाद शर्मा व संचालन मुकेश ठाकुर ने किया।

टीबी उन्मूलन शपथ का हुआ आयोजन

अमर भास्कर, ब्यूरो।

अलीगढ़। जिले में 1०० दिवसीय सघन टीबी खोज अभियान के तहत बुधवार को जनपद में विशेष कार्यक्रम का आयोजन किया गया। मण्डलायुक्त संगीता सिंह ने कमिश्नरी सभागार में जिलाधिकारी संजीव रंजन ने कलैक्ट्रेट सभागार में क्षय रोगियों को पोषण पोटली वितरित कर उपस्थित अधिकारियों, कर्मचारियों एवं क्षय रोगियों को टीबी उन्मूलन की शपथ दिलवाई।

कमिश्नरी में आयोजित कार्यक्रम में मण्डलायुक्त ने क्षय रोगियों को गोद लेकर पोषण पोटली का वितरण करते हुए कहा कि इस अभियान का उद्देश्य जिले में टीबी के मामलों की पहचान करना और उन्हें सही उपचार एवं पोषण सुविधा प्रदान करना है। उन्होंने टीबी उन्मूलन की शपथ दिलाते हुए कहा कि ''हमारे देश में टीबी उन्मूलन के लिए हम सभी को एकजुट होकर प्रयास करना होगा। यह अभियान समाज के प्रत्येक व्यक्ति की जिम्मेदारी है और हमें मिलकर इसे समाप्त करना होगा।''कलैक्ट्रेट में आयोजित कार्यक्रम में जिलाधिकारी संजीव रंजन ने क्षय रोगियों को गोद लिया और उन्हें पोषण सामग्री का वितरण किया। उन्होंने कहा कि टीबी को समाप्त करने के लिए हर नागरिक का सक्रिय सहयोग जरूरी है। उन्होंने कहा कि इस प्रकार के कार्यक्रमों के जरिए अलीगढ़ जिला टीबी उन्मूलन में महत्वपूर्ण कदम बढ़ा रहा है और स्वस्थ समाज की दिशा में सकारात्मक बदलाव ला रहा है।

सीएमओ डॉ नीरज त्यागी ने कहा यह हमारी सामूहिक जिम्मेदारी है कि हम टीबी के खिलाफ संघर्ष करें और इसके उन्मूलन में अपना योगदान दें। उन्होंने बताया कि जिले में अभियान के तहत अब तक उच्च जोखिम समूहों के 4 लाख 95 हजार से अधिक की स्क्रीनिंग की जा चुकी है साथ ही अब तक 1272 क्षय रोगी सम्पूर्ण अभियान में चिन्हित हो चुके हैं, जिन्हें नियमानुसार इलाज शुरू करने की प्रक्रिया करते हुए अन्य सुविधाओं देने के लिए स्वास्थ्य विभाग प्रदत्त है।

अतिरिक्त विभाग द्वारा वर्ष 2०23 से अब तक 49 हजार से अधिक पोषण पोटली का वितरण क्षय रोगियों को किया जा चुका है जिसमे जनपद स्तर पर सामाजिक संगठन व औद्योगिक घरानों के द्वारा निक्षय मित्र बनकर सहयोग देने में महत्वपूर्ण योगदान है। कार्यक्रम में विभिन्न विभागों के अधिकारी एवं स्वास्थ्य कर्मी उपस्थित रहे, जिन्होंने टीबी उन्मूलन के अभियान को सफल बनाने के लिए अपनी प्रतिबद्धता व्यक्त की।

स्वतंत्रता सेनानी संगठन ने डीएम से की वार्ता

अलीगढ़। अखिल भारतीय स्वतंत्रता सेनानी एवं उत्तराधिकारी संगठन का प्रतिनिधि मण्डल ने बुधवार को जिलाधिकारी संजीव रंजन से कार्यालय कक्ष में भेंट वार्ता कर उनको ''स्वाधीनता के महासमर में अलीगढ़'' पुस्तक भेंट की। इसके साथ ही संगठन द्वारा देशहित में किए जा रहे कार्यों की भी जानकारी दी गई।संगठन के अध्यक्ष सुरेन्द्र शर्मा ने अलीगढ़ में आजादी की लड़ाई की अनेक घटनाओं से जिलाधिकारी को अवगत कराया साथ ही अलीगढ़ नुमाइश में आजादी की लड़ाई पर आधारित प्रदर्शनी के बारे में जानकारी दी। जिलाधिकारी ने कहा कि इस प्रदर्शनी के लिए दरबार हॉल में जगह निर्धारित है। अलीगढ़ में स्वतंत्रता संग्राम में साधु-संत एवं धार्मिक संस्थाओं के योगदान पर सामग्री संकलित की जा रही है।

नाविकों ने केशी घाट पर किया धरना प्रदर्शन

अमर भास्कर, ब्यूरो।

वृंदावन। मथुरा क्रूज लाइंस द्वारा नाविकों के स्टीमर बंद कराने और धंधा चौपट कराने के विरोध में सैकड़ों नाविकों ने केसी घाट पर धरना प्रदर्शन कियाउन्होंने बताते हुए कहा कि संचालक द्वारा नाविकों के पारंपरिक रोजगार को छीना जा रहा है। उन्होंने कहा कि यदि प्रशासन द्वारा उनकी परेशानी नहीं सुनी तो वह अनिश्चितकालीन धरना रखेंगे।

नाविक कांग्रेस नेता मुकेश धनगर के नेतृत्व में सैकड़ों निषाद समाज के लोग केसी घाट पर पहुंचे वहां जाकर उन्होंने धरना प्रदर्शन किया। भाकियू के युवा नेता देवेंद्र सिंह निषाद एवं नाविक मुकेश निषाद ने कहा कि जब तक हमारी समस्या का समाधान नहीं होता तब तक अनिश्चितकालीन धरना प्रदर्शन चलेगा। पहले कूज संचालक द्वारा वृंदावन और मथुरा के बीच क्रूज चलाने की बात कही जा रही थी, लेकिन उनका क्रूज कभी मथुरा तक नहीं चला। वह वृंदावन के घाटों पर क्रूरता के साथ छोटी-छोटी नावें चला रहे हैं। इससे तीन सौ से अधिक नाविकों की रोजी-रोटी पर प्रभावित हो रही है। इसके बावजूद करूज संचालक ने उनके विरुद्ध एफआईआर दर्ज करा दी है। ईसी मौके पर। मुकेश धनगर प्रदेश महासचिव कांग्रेस, कुमर सिंह निषाद प्रदेश प्रवक्ता कांग्रेस, देवेंद्र सिंह निषाद राष्ट्रीय संगठन मंत्री भाकियू महाशक्ति, बालवीर निषाद, मुकेश निषाद, प्रीतम निषाद, कल्लू निषाद, मुकेश निषाद, परमानंद, नरेश, अमिल पाल, गुलाब निषाद,श्याम निषाद आदि लौग मौजूद रहे।

विशाल तिरंगा यात्रा का किया आयोजन

अमर भास्कर, ब्यूरो।

फरह। स्कूल प्रबंधक भिक्की सिंह प्रधान ने समस्त स्टाफके साथ शहीदों को श्रद्धांजलि दी एवं हरी झंडी दिखाकर यात्रा को रवाना किया। यात्रा का रूट लगभग 1० किमी और 12 गाँव से होकर गुजरा । बच्चों द्वारा शहीदे ए आजम , प्रथ्वीराज एवं लक्ष्मीबाई के नुक्कड़ नाटक गाँव के प्रमुख चौराहे पर दिखाए गए।

बच्चों ने शहीदों को याद करते हुए भारत माता की जय के नारे लगाए तथा विभिन्न देश भक्ति गीतों पर कुछ गाँव में मनमोहक प्रस्तुतिया दी जिसे समुचे क्षेत्र में देश भक्ति का रंग में रंग गया। वही तिरंगा रैली में शामिल सभी बच्चे देशभक्ति के गीत गाते दिखाई दिए। तिरंगा रैली में करीब 1००० से अधिक छात्र-छात्राएं शामिल हुए। जिन्होंने हाथों में राष्ट्रीय ध्वज थमा हुआ था। दौरान स्कूली बच्चे भारत माता की जय, विजय विश्व तिरंगा प्यारा झंडा ऊंचा रहे हमारा, जैसे राष्ट्र भक्ति के नारों से गगन गूंज मां करते हुए दिखाई दिए।

रास्ते में लोगों ने यात्रा में शामिल बच्चों का पुष्प वर्षाकर स्वागत किया। इस अवसर पर श्रृंगरिषी आश्रम के महंत निर्णयदास जी महाराज भी शामिल रहे। विद्यालय प्रधानाचार्या एडवोकेट वंदना एस.छोंकर ने बच्चों को इस राष्ट्रीय दिवस की गौरवपूर्ण गाथा से अवगत कार्य तथा देश की प्रगति के लिए अपने द्वार दिए जाने वाले योगदान के लिए प्रोत्सहित किया कार्यक्रम का संचालन उप प्रधानाचार्य सुनील लवानिया ने किया। इस मौके पर चौयरमैन भूरीसिंह, प्रबन्ध निदेशक योगेन्द्र प्रधान, स्कूल निदेशक इंजी सत्येंद्र छौंकर ,स्कूल कोऑर्डिनेटर जगत चौहान, विजय राठौर आदि मौजूद रहे।

रास्ता खराब होने के कारण ग्रामीण परेशान

अमर भास्कर, ब्यूरो।

फरह। आप की स्क्रीन पर दिखाई दे रहा है यह मामला फरह ब्लॉक के गांव सूमपुरा का है जहां से स्कूली बच्चे रोजाना पडोरी गाँव आम के नगला में पड़ने के लिए जाते है। गाँव के लोगों ने मदद की गुहार लगाते हुए फिर एक बार उम्मीद जताई है स्थानीय ग्रामीणों का आरोप है कि कई बार प्रधान व ब्लॉक के अधिकारियों को अवगत कराया गया परंतु आज तक गांव के रास्ते का समाधान नहीं हुआ स्थानीय लोग गंदे पानी से निकलने को मजबूर है यहां तक की स्कूल पढ़ने जाने वाले बच्चे भी कीचड़ में होकर जाते है। कई बार प्रधान आल्हा अधिकारियों व तमाम लोगों से मदद की गुहार लगाई परंतु आज तक पानी का निकास व रोड नहीं बना है।

विद्युत विभाग का निजी करण नहीं होने देंगे: हरेश

अमर भास्कर, ब्यूरो।

मथुरा। निजीकरण के विरोध में विद्युत विभाग संघर्ष समिति के संयोजक राहुल चौरसिया को समर्थन पत्र सौंपते भाकियू भानु के वरिष्ठ राष्ट्रीय प्रवक्ता हरेश ठेनुआ एवं अन्य निजीकरण के विरोध में विद्युत विभाग की संयुक्त संघर्ष समिति को दिया पूर्ण समर्थन मथुरा।

भारतीय किसान यूनियन भानु ने वरिष्ठ राष्ट्रीय प्रवक्ता हरेश ठेनुआ एवं जिला अध्यक्ष देवेंद्र पहलवान के नेतृत्व में उपखंड कार्यालय के सभागार मथुरा में भाकियू भानु सैकड़ो के पदाधिकारी एवं उत्तर प्रदेश विद्युत कर्मचारी संयुक्त संघर्ष समिति के पदाधिकारी के साथ विद्युत निजीकरण के विरोध में बैठक आयोजित की गई। बैठक में भारतीय किसान यूनियन भानु के वरिष्ठ राष्ट्रीय प्रवक्ता हरेश ठेनुआ ने कहा कि किसान अपने बच्चों को खेत बेचकर इसलिए इंजीनियरिंग नहीं कराता कि उसका बेटा एक संविदा कर्मी बने। अगर विद्युत निजीकरण हुआ तो इसके विरोध में भारतीय किसान यूनियन भानू राष्ट्रीय व्यापी आंदोलन करेगी किसी भी कीमत पर विद्युत विभाग को निजी हाथों में नहीं जाने देंगे। विद्युत निजीकरण से किसानों पर मनमानी करते हुए किसानों का उत्पीड़न किया जाएगा जोकि स्वीकार्य नहीं है।

जिला अध्यक्ष देवेंद्र पहलवान ने कहा कि विद्युत विभाग का निजीकरण ईस्ट इंडिया कंपनी की तरह है अगर सरकार पर विद्युत व्यवस्था नहीं संभाली जा रही तो इस्तीफा दे देना चाहिए। निजी करण से विद्युत विभाग के कर्मचारी और किसानों का अहित होगा। अगर देश को बचाना है तो निजीकरण को हटाना है सरकार विद्युत विभाग में अधिकारी और कर्मचारियों की भर्ती करे। जिस से रोजगार की कमी भी दूर होगी और संविदा कर्मियों के वेतन में बढ़ोतरी करें।

विद्युत कर्मचारी भी इस देश के नागरिक हैं और हमेशा मौत का खतरा इन पर बना रहता है उनकी सुरक्षा का ध्यान रखते हुए मूलभूत सुविधा उपलब्ध कराए। भारतीय किसान यूनियन भानु के सभी पदाधिकारियों ने उत्तर प्रदेश विद्युत कर्मचारी संयुक्त संघर्ष विद्युत समिति के जिला संयोजक राहुल चौरसिया को विद्युत विभाग के निजीकरण के विरोध में पूर्ण समर्थन दिया। इस दौरान भारतीय किसान यूनियन के वरिष्ठ राष्ट्रीय प्रवक्ता हरेश ठेनुआ आदि मौजूद रहे।

एंटी करप्शन टीम ने दस हजार रिश्वत लेते सिपाही को दबोचा

अमर भास्कर, संवाददाता

बदायूं। में एंटी करप्शन टीम (भ्रष्टाचार निवारण संगठन) ने बुधवार को शहर की नवादा पुलिस चौकी से हेड कांस्टेबल मनोज भार्गव को जमीन के मामले में दस हजार रुपये की रिश्वत लेते हुए रंगेहाथ गिरफ्तार कर लिया। हेड कांस्टेबल के खिलाफबिनावर थाने में रिपोर्ट दर्ज कराई गई है। मुकदमा दर्ज कराने के बाद एंटी करप्शन टीम आरोपी हेड कांस्टेबल को बरेली ले गई। वहां से बृहस्पतिवार को उसे जेल भेजा जाएगा।

मामला सिविल लाइंस थाने से जुड़ा है। आरिफपुर नवादा निवासी शादाब की मां ने विलालउद्दीन आदि को कुछ प्लॉट के बैनामे किए थे। इसके चलते शादाब को विलालउद्दीन से रुपये लेने थे। विलालउद्दीन रुपये देने से इंकार कर रहा था। रुपये न देने पड़े इसके लिए विलालउद्दीन ने नवादा चौकी पुलिस को शादाब के पिता के खिलाफ रुपयों के लेनदेन व मारपीट करने आदि के आरोप में तहरीर दी।

तहरीर मिलने के बाद चौकी पर तैनात हेड कांस्टेबल मनोज भार्गव शादाब पर ही पुलिस कार्रवाई करने का दबाव बनाने लगा। हेड कांस्टेबल ने शादाब के घर पर कई बार दबिश भी दी। इस दौरान हेड कांस्टेबल ने शादाब से कार्रवाई न करने के एवज में 2० हजार रुपये की मांग की। मांग पूरी न होने पर हेड कांस्टेबल लगातार शादाब को प्रताड़ित कर रहा था। इसके चलते शादाब ने हेड कांस्टेबल की शिकायत बरेली एंटी करप्शन टीम से की।

बुधवार को एंटी करप्शन टीम प्रभारी प्रवीण सान्याल के नेतृत्व में बदायूं पहुंची। पहले से तय बातचीत के आधार पर शादाब नवादा पुलिस चौकी पहुंचा। उसने हेड कांस्टेबल मनोज भार्गव को दस हजार रुपये दिए। हेड कांस्टेबल ने जैसे ही रुपये जेब में रखे वैसे ही टीम ने उसे दबोच लिया। एंटी करप्शन टीम हेट कांस्टेबल के साथ चौकी इंचार्ज अनंत अमौरिया को भी बिनावर थाने ले गई। यहां मनोज भार्गव पुत्र रामशरण भार्गव निवासी गांव रायपुर थाना ईशा नगर जिला लखीमपुर खीरी के खिलाफ भ्रष्टाचार अधिनियम निवारण के तहत रिपोर्ट दर्ज कराई गई है। एंटी करप्शन की टीम ने जिस समय चौकी पर सिपाही मनोज भार्गव को पकड़ा उसी समय चौकी इंचार्ज अनंत अमौरिया भी मौजूद थे। टीम ने आनन-फानन में चौकी इंचार्ज को भी गाड़ी में बैठा लिया। सिपाही व चौकी इंचार्ज को पकड़कर सीधे बिनावर थाने में ले गए। पूरे जिले में चर्चा फैल गई कि रिश्वत लेते चौकी इंचार्ज व एक सिपाही पकड़े गए हैं। करीब दो घंटे बाद जब मुकदमा दर्ज हुआ तब पता चला कि रिश्वत लेते हुए सिर्फसिपाही मनोज भार्गव ही पकड़ा गया है। चौकी इंचार्ज को शक के आधार पर पकड़ा गया था। एंटी करप्शन टीम की मानें तो पकड़े गए सिपाही के बयानों की वीडियो रिकॉर्डिंग की गई है।

डीएम ने की आकांक्षात्मक ब्लॉक की प्रगति के संबंध में बैठक आयोजित

अमर भास्कर, ब्यूरो

बदायूं। जिलाधिकारी निधि श्रीवास्तव ने बुधवार को कलेक्ट्रेट परिसर स्थित एनआईसी के वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग हॉल में आकांक्षात्मक ब्लॉकों के संबंध में आहूत बैठक की अध्यक्षता करते हुए केंद्र सरकार को नीति आयोग द्वारा चिन्हित ब्लाक अंबियापुर व आसफ्मुर के संबंध में 5० बिंदुओं पर प्रगति आख्या प्राथमिकता पर उपलब्ध कराने के निर्देश दिए। उन्होंने आकांक्षात्मक ब्लॉक पोर्टल व यूनिसेफद्वारा पृथक-पृथक रूप से उपलब्ध कराए गए डाटा के अंतर को दूर करने के लिए कहा।

जिलाधिकारी ने पंचायती राज विभाग के अधिकारियों को निर्देशित किया कि खुले में शौच से मुक्त ओडीएफप्लस ग्रामों में जहां शौचालय (इज्जत घर) देने की आवश्यकता है, वहां प्राथमिकता पर शौचालय उपलब्ध कराए जाए तथा ग्रामों को खुले में शौच से मुक्त कराया जाए।

जिलाधिकारी ने स्वास्थ्य विभाग के अधिकारियों को गर्भवती महिलाओं की प्राथमिकता पर नियमित रूप से जांच करने व संपूर्ण टीकाकरण को प्रभावी ढंग से करने के लिए कहा। उन्होंने जल निगम के अधिकारियों को निर्धारित मापदंड पर कार्य करने के लिए कहा। बेसिक शिक्षा विभाग के अधिकारी को परिषदीय विद्यालयों में शौचालय को क्रियाशील करने तथा आईसीडीएस विभाग को नियमित रूप से पुष्टाहार वितरण कराने के लिए कहा। जिलाधिकारी ने बताया कि जनपद में नीति आयोग द्वारा आसफ्मुर व अंबियापुर ब्लॉक का चिन्हांकन आकांक्षात्मक ब्लॉक के रूप में किया है। वहीं राज्य सरकार के स्तर से सालारपुर, कादरचौक, उसावां व वजीरगंज ब्लॉक का चिन्हांकन किया गया। जनपद में कुल 6 आकांक्षात्मक ब्लॉक हैं।

सार-संक्षेप

कांग्रेसियों ने मृतक श्रद्धालुओं को श्रद्धांजलि दी

अमर भास्कर, संवाददाता

बदायूं। प्रांतीय आवाहन पर जिला कांग्रेस कमेटी कार्यकर्ताओं ने बदायूं जिला कांग्रेस कमेटी अध्यक्ष ओमकार सिंह के नेतृत्व में बदायूं जनपद के कछला भागीरथी घाट पर पहुंचकर आज प्रात: प्रयागराज कुंभ में जो श्रद्धालु भगदड़ में स्वर्गवासी हुए हैं उनको श्रद्धांजलि अर्पित की एवं घायलों को शीघ्र स्वस्थ होने की कामना गंगा मां से की। श्रद्धांजलि देते हुए जिला कांग्रेस कमेटी अध्यक्ष ओमकार सिंह ने कहा की कुंभ प्रयागराज में जो घटना हुई है उसमें निश्चित रूप से प्रशासन की लापरवाही है और सभी संत और श्रद्धालु जो प्रयागराज में है वह कह रहे हैं कि वीवीआईपी और वीआईपी को गंगा स्नान करने से ही अव्यवस्था फैलती है जिसके कारण यह घटना घटी और आगे भी कोई बड़ी घटना हो सकती है अत: जिला कांग्रेस कमेटी मांग करती है कि वीवीआईपी और वीआईपी स्नान प्रथा प्रयागराज कुंभ में बंद होना चाहिए जिला कांग्रेस कमेटी के उपाध्यक्ष मोरपाल प्रजापति ने कहा की सरकार द्वारा जो लोग श्रद्धालु स्वर्गवासी हुए हैं उनको सरकार द्वारा उचित मुआवजा मिलना चाहिए एवं जो घायल है उनके उपचार की सर्वोत्तम व्यवस्था सरकार को तुरंत करनी चाहिए। जिला कांग्रेस कमेटी के महासचिव इगलास हुसैन ने कहा कि धर्म स्थल पर प्रशासन को अनुशासन से कार्य करना चाहिए था जिससे इतनी बड़ी घटना को रोका जा सकता था, जिला कांग्रेस कमेटी के सचिव राजीव तोमर ने आगे ऐसी घटना की पुनरावृत्ति ना होने पाए इसके लिए सरकार को प्रभावी कदम उठाने की बात कही। श्रद्धांजलि सभा में सुशील कुमार, धर्मेंद्र कुमार शर्मा, सचिन कुमार, रामपाल दयाराम, श्रेयांस कुमार, प्रशांत वाल्मीकि, सोमेंद्र सागर आदि कार्यकर्ता पदाधिकारी उपस्थित रहे।

कछला घाट पर उमड़ी भीड़, हजारों श्रद्धालुओं ने गंगा में लगाई आस्था की डुबकी

अमर भास्कर, संवाददाता

कछला। मौनी अमावस्या पर बदायूं के कछला गंगा घाट पर आस्था का जनसैलाब उमड़ा। हजारों श्रद्धालुओं ने गंगा में आस्था की डुबकी लगाकर घाट पर पूजन किया। सूर्यदेव को अर्घ्य देने के बाद श्रद्धालुओं ने संत और पुरोहितों को दक्षिणा भेंट की। आश्रमों में भजन-कीर्तन भी हुआ। तड़के चार बजे से शुरू हुआ स्नान दोपहर बाद तक जारी रहा।

कछला गंगाघाट पर बदायूं समेत आसपास जिलों के श्रद्धालुओं के पहुंचने का सिलसिला बुधवार को तड़के से ही शुरू हो गया। निजी संसाधनों, बसों और ट्रेन के जरिये पहुंचे श्रद्धालुओं ने गंगा में डुबकी लगाने के बाद सबसे पहले भगवान सूर्यदेव को अर्घ्य दिया। पुरोहितों से मंत्रोच्चार कराकर घाट पर ही पूजन किया। गंगा मइया के जयकारों के बीच श्रद्धालुओं ने धार्मिक अनुष्ठान भी कराए। सबसे ज्यादा भीड़भाड़ कासगंज जिले के छोर वाले घाट पर देखने को मिली।राजस्थान के श्रद्धालुओं ने अपने रीति रिवाज से स्नान के बाद धार्मिक अनुष्ठान किए। उन्होंने भी पूजन करके संतों और पुरोहितों को दक्षिणा भेंट कर उनसे आशीर्वाद पाया। खानपान की वस्तुओं का भी लुत्फ उठाया गया। घाट किनारे के आश्रमों में भी धार्मिक कार्यक्रम संपन्न कराए गए। घाट पर पुलिस और नगर पंचायत कर्मियों ने श्रद्धालुओं की सुविधा के अनुरूप व्यवस्थाएं कीं। श्रद्धालुओं के वाहनों को पार्किंग स्थल पर रोक दिया गया। इसके चलते हाईवे पर आवागमन भी प्रभावित नहीं हो पाया।

डीएम-एसएसपी ने किया बस अड्डे का निरीक्षण

अमर भास्कर, ब्यूरो

बदायूं। जिलाधिकारी निधि श्रीवास्तव ने बुधवार को प्रयागराज उत्तर प्रदेश में चल रहे महाकुंभ 2025 के दृष्टिगत रोडवेज बस स्टैंड बदायूं व रेलवे स्टेशन बदायूं का निरीक्षण कर वहां की गई व्यवस्थाओं का जायजा लिया व आवश्यक दिशा निर्देश संबंधित अधिकारियों को दिए। उन्होंने कहा कि महाकुंभ जा रहे तीर्थ यात्रियों को किसी प्रकार की असुविधा न हो इसका विशेष ध्यान रखा जाए। इस अवसर पर वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक बृजेश कुमार सिंह सहित अन्य अधिकारी मौजूद रहे।

इग्नू द्वारा प्रवेश जागरूकता अभियान एवं परिचय सभा का हुआ आयोजन

अमर भास्कर, संवाददाता

बदायूं। आवास विकास स्थित राजकीय महाविद्यालय बदायूं में इंदिरा गांधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय में प्रवेश के लिए जागरूकता कार्यक्रम अभियान का शुभारंभ किया गया तथा जुलाई 2०24 में प्रवेश प्राप्त लर्नर्स की परिचय सभा भी सम्पन्न हुई। जिसमें उच्च शिक्षा, माध्यमिक शिक्षा एवं बेसिक शिक्षा के शिक्षक, जनसेवा केन्द्रों के संचालक एवं सभी काउंसलर और लर्नर की सहभागिता रही।

कार्यक्रम का उद्घाटन मुख्य अतिथि इग्नू क्षेत्रीय केंद्र अलीगढ़ के क्षेत्रीय निदेशक डॉ अजय वर्धन आचार्य, जिला विद्यालय निरीक्षक, डॉ प्रवेश कुमार एवं नितिन कुमार ने माँ सरस्वती के चित्र के समक्ष दीप प्रज्वलित कर किया। कार्यक्रम की अध्यक्षता प्राचार्य डॉ नरेंद्र कुमार बत्रा तथा संचालन डॉ राकेश कुमार जायसवाल ने किया। सभा को संबोधित करते हुए मुख्य अतिथि डॉ अजय वर्धन आचार्य ने राजकीय महाविद्यालय में संचालित इग्नू अध्ययन केंद्र पर विभिन्न प्रकार के नए पाठ्यक्रमों को प्रारंभ करने की घोषणा की। उन्होंने कहा कि दुनिया का सबसे बड़ा विश्वविद्यालय इग्नू बदायूं जनपद के शैक्षिक पिछड़ेपन के दाग को मिटाना चाहता है। जन-जन का विश्वविद्यालय इग्नू जनता के द्वार पर जाकर उनको कौशल विकास, रोजगार परक शिक्षा और विभिन्न पाठ्यक्रमों के माध्यम से शिक्षित कर रोजगार व स्वरोजगार प्रदान करने की दिशा में कार्य करेगा। डॉ अजय वर्धन ने माध्यमिक शिक्षा के कक्षा 6 से 12वीं के छात्र छात्राओं के लिए कैरियर विकास के कार्यक्रम भी प्रारंभ करेगी। उन्होंने कहा कि अलीगढ़ में क्षेत्रीय प्लेसमेंट सेल का गठन किया जाएगा जिससे युवाओं को रोजगार व स्वरोजगार प्रदान कर शासन की उद्यमशीलता नीति 2०15 से जोड़ा जाएगा। कंप्यूटर साक्षरता के लिए बीसीए एमसीए पीजीडीसीए सीसीआईटीएसके कोर्स प्रारंभ किया जाएगा। हाई स्कूल के बाद सीआईटी पाठ्यक्रम भी शुरू होगा। पर्यटन विकास, पत्रकारिता, डिजिटल मीडिया, एनिमल वेलफेयर आदि कार्यक्रम होंगे।

नि:शुल्क ऑक्सीजन एवं नर्सिंग देखभाल कार्यक्रम आयोजित

डा. शकील अहमद ने फीता काटकर उद्घाटन किया

अमर भास्कर, संवाददाता

बदायूं। अल-फारिया अस्पताल बदायूं में एक महत्वपूर्ण कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस कार्यक्रम में फ्री ऑक्सीजन नर्सिंग केयर डिलीवरी यूनिट का उद्घाटन कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम की शुरुआत हमजा इम्तियाज द्वारा कुरान की तिलावत से हुई, जिसके बाद मोहतरमा डॉ. संजीदा आलम ने प्रतिभागियों का स्वागत किया। डॉ. जियाउर रहमान फलाही ने मेडिकल सर्विस सोसाइटी का परिचय कराते हुए संगठन के उद्देश्यों पर प्रकाश डाला। इसके बाद इस प्रोजेक्ट का परिचय करते हुए जनाब शादाब साहब ने कहा कि यह प्रोजेक्ट गरीब लोगों को मुफ्त ऑक्सीजन और कम लागत वाली नर्सिंग सेवाएं प्रदान करने के लिए है। यह परियोजना उत्तर प्रदेश फलाह-ए- आम सोसायटी के सहयोग से शुरू की गई है। रफीकुल-जमां साहब ने उत्तर प्रदेश फलाह आम सोसायटी का परिचय प्रस्तुत किया। जनाब अनवर आलम एडवोकेट,, जनाब अब्दुल कादिर, सचिव, हल्का उत्तर प्रदेश पश्चिम एवं शोभा फ्रांसिस ने अपने विचार व्यक्त किये। जनाब डॉ. शकील अहमद ने फीता काटकर परियोजना का उद्घाटन किया।

श्रेष्ठ संस्कारों से जीवन बनता है पवित्र: संजीव

अमर भास्कर, संवाददाता

बदायूं। आत्माराम महा विद्यालय अलापुर में भारत स्काउट गाइड संस्था के तत्वावधान में डीएलएड प्रशिक्षुओं का सांस्कृतिक कार्यक्रमों के साथ स्काउट गाइड शिविर का शुभारंभ हो गया। पहले दिन बच्चों को सैल्यूट, ड्रिल, मार्च पास्ट के अलावा दुर्गम रास्तों, पहाड़ों, घनें जंगलों में चलने और प्राकृतिक आपदाओं में बचाव और स्वयं को तैयार रखने की ट्रेनिंग दी गई।

महाविद्यालय संरक्षिका धनदेवी ने स्काउट ध्वज फहराया। उन्होंने कहा कि हमारी सभ्यता, संस्कृति और संस्कार बहुमूल्य हैं। विनम्रता से बिना मोल मिलाते हैं।

स्काउट भवन प्रशिक्षण केंद्र से आए पूर्व जिला ट्रेनिंग कमिश्नर संजीव कुमार शर्मा ने कहा कि युवा दिग्भ्रमित न हों, श्रेष्ठ चिंतन से सन्मार्ग मिलेगा। युवा संघर्ष करें, परिश्रम करें। मितव्ययी बनें। अपने खून पसीने की कमाई को परिवार और राष्ट्र ऊंचा उठाने में लगाएं।

प्रबंधक डा.मनीराम मिश्रा ने शिविर का निरीक्षण किया। उन्होंने कहा कि मर्यादित जीवन महकता है। बच्चों को श्रेष्ठ ज्ञान का अनमोल उपहार दें।

प्रशिक्षण शिविर में ध्वज शिष्टाचार, प्रार्थना, झंडा गीत, बांया हाथ मिलाना, वर्दी, झंडी संकेत, टोली विधि, टोली नायकों के उत्तरदायित्वों के अलावा प्राकृतिक आपदाओं में स्वयं को तैयार रखने की ट्रेनिंग दी गई। प्राचार्य डा. विशेष कुमार ने आवश्यक दिशा निर्देश दिए। शिक्षक प्रदीप कुमार ने बताया कि शिविर में सात टोलियां बनाई गई हैं। इस मौके पर प्रदीप कुमार, बैकुंठ नारायण, रबेल सिंह, ललित बाजपेई, मंजू बाजपेई, पुष्पा देवी आदि मौजूद रहे।

मनौना धाम निर्माण कार्य का महंत जी महाराज ने किया निरीक्षण

निरीक्षण के दौरान महंत जी ने आवश्यक दिश-निर्देश दिये

अमर भास्कर, संवाददाता

आंवला। देश विदेश मे अपने लाइव चमत्कारो के लिए प्रसिद्ध जीवन धाम के नाम से प्रसिद्ध श्री श्याम मंदिर मनौना धाम जीवन धाम आंवला वरेली उत्तर प्रदेश मे वाबा श्याम के भव्य मंदिर का निर्माण जोर शोर से चल रहा है जिसकी आधार शिला मनौना धाम महंत जी श्री ओमेन्द्र महाराज ने 7 अक्टूबर 2०2० को रखी थी जहा बाबा श्याम के शीश की स्थापना होगी जिस चबूतरे (आसन) पर वाबा के शीश की स्थापना होगी वह प्रसिद्ध राजस्थान के नागौर जिले के मकाराना संगमरमर से तैयार किया गया है वही भक्तो के आशीर्वाद वाली पक्की वेरीकेट का मंदिर के फर्स का पुलिस चौकी तथा निर्माणधिन दुकानो का निरीक्षण कर दिशा निर्देश दिये।

मंदिर परिसर मे मकराना शहर का उच्च गुणवत्ता वाला मकराना संगमरमर से तैयार किया जा रहा है इस संगमरमर पत्थर का इस्तेमाल प्रसिद्ध इमारतो भगवान राम का मंदिर अयोध्या आगरा का ताजमहल जयपुर का सिटी पैलेस ताज होटल विडला मंदिर तथा आस्ट्रेलिया के प्रसिद्ध जैन मंदिर मे किया गया है, यह संगमरमर मूर्तिकला तथा वास्तुकला मे काफी लोकप्रिय है, इस संगमरमर से मनौना धाम मे प्राण प्रतिष्ठा के लिए वाबा श्याम के शीशा को बनाया गया है जो वनकर तैयार हो गया है वही मदिर के शिखर तथा भगवान गणेश तथा भगवान राम की विशाल मूर्ति लगभग वनकर तैयार हो गयी है वहीं मदिर के गेट पर दो विशाल हाथी बनाये गये है महाराष्ट्र राजस्थान उड़ीसा के मूर्तिकार शिल्पकार कारीगारो द्वारा मंदिर का निर्माण कार्य कराया जा रहा है वही तोरण द्वार बनकर तैयार हो गया है तोरण द्वार से मंदिर गेट तक जिला पंचायत वरेली द्वारा पक्की सडक वनकर तैयार हो गयी है लेकिन कम चौडी होने के कारण जाम लग जाता है जिसे पी डब्लू डी वरेली मे प्रस्तावित करा ने के लिए तथा चौडी करण के लिए मंदिर ट्रस्ट ने प्रस्ताव योगी सरकार को भेजा है, वाबा के शीश की प्राण प्रतिष्ठा समारोह की तैयारी आखिरी चरण मे है प्राण प्रतिष्ठा मे देश विदेश के लाखो श्याम भक्त भाग लेगे , वही सूत्रो के अनुसार प्रदेश के यशस्वी मुख्यमंत्री मा योगी आदित्य नाथ प्राण प्रतिष्ठा कार्यक्रम के मुख्य अतिथि हो सकते, स्वयं मनौना धाम महंत जी महाराज ने मुख्यमंत्री जी से मिलकर मनौना धाम के इतिहास के वारे मे तथा जीवन धाम के नाम से प्रसिद्ध मनौना धाम मे वाबा के भव्य दिव्य दरवार मे शीश की प्राण प्रतिष्ठा के लिए मा मुख्यमंत्री जी को निमंत्रण दिया है वही मुख्यमंत्री जी अपने भाषणो मे मनौना धाम का जिक्र कर चुके है वाबा श्याम के मंदिर के भव्य शुभारम्भ के बाद पांच मंदिरो मोरवी माता मंदिर वाला जी हनुमान मंदिर भगवान राधा कृष्ण मंदिर मां जगत जननी जगदिम्बाका तथा भगवान शकर के सात फिट ऊचे शिवलिंग का निर्माण कार्य शुरू हो जायेगा जिसका भूमि पूजन 29 मई 2०23 को हो चुका है तथा दो वडे श्याम कुंडो का भी निर्माण कार्य शुरू होगा।

संपादकीय

प्रबंधन की पाठशाला बना महाकुंभ

महाकुंभ में अब तक 12 करोड़ श्रद्धालु डुबकी लगा चुके हैं। आस्था के इस महासागर का फैलाव बढ़ता जा रहा है। अनुमान है कि मौनी अमावस्या पर 10 करोड़ से अधिक श्रद्धालु स्नान लाभ प्राप्त करेंगे। एक स्थान पर एक समय में इतने विशाल जनसमुद्र की सुरक्षा उत्तर प्रदेश पुलिस के समक्ष हिमालय जैसी चुनौती है। हमारी सुगठित, सुव्यवस्थित और कुशल पुलिस इस चुनौती से सहजता से पार पा रही है। युद्ध और अस्थिरता के भय से जूझती दुनिया के लिए इस विराट मानवता के महोत्सव का सुरक्षित परिवेश और उत्कृष्ट प्रबंधन किसी चमत्कार से कम नहीं है। यह उत्तर प्रदेश पुलिस की असाधारण कार्यक्षमता और अटूट प्रतिबद्धता को रेखांकित करता है। 45 करोड़ से अधिक श्रद्धालुओं की सेवा, सुरक्षा और सुविधा की सुनिश्चितता एक बड़ी चुनौती थी, किंतु मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के कुशल नेतृत्व में उत्तर प्रदेश पुलिस इस चुनौती के सम्मुख 'चौंपियन' बनकर उभरी है।

महाकुंभ में क्राउड मैनेजमेंट, ट्रैफिक कंट्रोल, आपदा प्रबंधन, सिक्योरिटी आपरेशंस और पब्लिक बिहेवियर मैनेजमेंट जैसे विभिन्न मोर्चों पर पुलिस ने अपनी दक्षता और उत्कृष्ट कार्यशैली का परिचय दिया है। यही कारण है कि देश-विदेश के प्रमुख संस्थान और विश्वविद्यालय महाकुंभ के प्रबंधन को अध्ययन का विषय बना रहे हैं। महाकुंभ दुनिया के लिए प्रबंधन की सबसे विशाल और जीवंत पाठशाला बन गया है।

विश्व के सबसे विराट मानव समागम के सुरक्षित आयोजन के माध्यम से देश और दुनिया पुन: सुरक्षित, सुव्यवस्थित और सहयोगी उत्तर प्रदेश के सामर्थ्य से परिचित हो रही है। प्रयागराज महाकुंभ के मनोहारी, आधुनिक और नव-डिजिटल स्वरूप से समूचा विश्व आश्चर्यचकित है। विश्वस्तरीय आधुनिकतम तकनीक, उत्कृष्ट संसाधन, दक्ष मानव संपदा, कार्यक्रम केंद्रित विशेष रणनीति द्वारा प्रत्येक प्रकार की आकस्मिक और आपदा की अप्रिय स्थिति से निपटने की यहां पूरी तैयारी है।

10 जोन एवं 25 सेक्टर में बंटे मेला क्षेत्र में 56 थाने, 155 चौकियां, तीन पुलिस लाइन बनाई गई हैं। करीब 44,000 सिविल पुलिस, क्यूआरटी और अन्य विशेष सुरक्षा बलों की तैनाती की गई है। यहां 2751 से अधिक सीसीटीवी कैमरों, 22 वायरलेस ग्रिड, 233 वीएमडी के द्वारा संपूर्ण क्षेत्र की निगरानी की जा रही है। मेला क्षेत्र में 4,500 सामरिक ड्यूटी प्वाइंट्स चिह्नित किए गए हैं, जिनकी जिओ मैपिंग की गई है।

50 फायर स्टेशन, 20 चौकियां एवं 50 वाच टावर की स्थापना तथा प्रत्येक 60 मीटर पर करीब 7000 फायर हाइड्रेंट लगे होने से मेला क्षेत्र फायर प्रूफ बन गया है। जलीय सुरक्षा पर भी विशेष ध्यान है। रिवर सेफ्टी हेतु जल पुलिस के तीन थानों में अत्याधुनिक कंट्रोल रूम स्थापित कर किसी भी इमरजेंसी हेतु वाटर एंबुलेंस की व्यवस्था की गई है। 31 बाढ़ राहत टीमें तैनात हैं। नावों के अपनी-अपनी लेन में आवागमन के लिए चार किमी की फ्लोटिंग रिवर लाइन बनाई गई है। ड्रोन से निगरानी और निरंतर रिवर पेट्रोलिंग हो रही है।

एआइ से लैस हजारों कैमरों से क्राउड मानिटरिंग, क्राउड डेंसिटी एनालिसिस, इंसीडेंट रिपोर्टिंग के साथ ही स्वच्छता एवं सुरक्षा के दृष्टिगत निगरानी की जा रही है। पुलिस, प्रशासन, सेना, सीएपीएफ, एटीएस, पीएसी, एनडीआरएफ, एसडीआरएफ, एनएसजी समेत अनेक सुरक्षा इकाइयों के मध्य सुंदर समन्वय से महाकुंभ नगर का जल, थल, नभ अभेद्य दुर्ग बन गया है। यही कारण है कि आवागमन से आराधना तक, श्रद्धालु से सैलानी तक, स्नान से साधना तक, धर्माचार्यों से गृहस्थों तक, व्यापारियों से वैरागियों तक सभी सेवा और सुरक्षा की सुखद अनुभूति से अभिसिंचित हैं। महाकुंभ में अनुमानत: 45 करोड़ से अधिक श्रद्धालुओं के आगमन का अनुमान है। यह संख्या दक्षिण अमेरिका महाद्वीप की कुल आबादी से भी ज्यादा है। ऐसे में विश्व के अनेक देशों की जनसंख्या से भी अधिक व्यक्तियों के एक स्थान पर समागम में किसी व्यक्ति ने अपने साथ पुलिस कार्मिकों द्वारा दुर्व्यवहार की कोई भी शिकायत नहीं की है, जो 'मित्र पुलिस' का जीवंत एवं उत्कृष्ट उदाहरण है।

इसके लिए महाकुंभ के आरंभ से पूर्व ही विगत महाकुंभों में सेवाएं दे चुके वरिष्ठ पुलिस अधिकारियों तथा देश की सर्वोच्च विशेषज्ञ संस्थाओं द्वारा साफ्ट स्किल्स पर पुलिस कर्मियों को प्रशिक्षण दिया गया था।

अमर भास्कर
(हिन्दी दैनिक समाचार पत्र)
- वरिष्ठ संरक्षक : वेदभानु आर्य
- संरक्षक : हामिद अली खाँ
- संरक्षक : सुरेश प्रसाद शर्मा
- प्रधान संपादक : फरीद क़ादरी
- संपादक : अबरार अहमद
- कानूनी सला. : मुहम्मद फुरकान, एड.
- व्यवस्थापक : ठा. वेदपाल सिंह
- मैनेजर : केपी यादव
- सह-संपादक : मोहम्मद राशिद

हमारे यूट्यूब चैनल *Amar Bhaskar News* को सब्सक्राइब करें वैल आइकॉन दबाना न भूलें।
-सर्वेश उपाध्याय, मैनेजिंग एडिटर*

अगर आपके पास भी है कोई कविता, रचना, लेख, गजल एवं छंद तो हमें लिख भेजिए, हमारा पता है:-
अमर भास्कर कार्यालय
निकट होटल रिजेन्सी, लावेला चौक बदायूं (उ.प्र.)।
पिन कोड-243601
Email- amarbhashkar21@gmail.com
Whatsapp. No. 9411214614

शर्मिंदगी की बात, विचाराधीन कैदियों को चुनाव लड़ने की अनुमति

यह अच्छा नहीं हुआ कि दिल्ली दंगों के आरोपित ताहिर हुसैन को कुछ शर्तों के साथ सुप्रीम कोर्ट से चुनाव प्रचार के लिए छह दिन की कस्टडी पैरोल मिल गई। अब वह एआइएमआइएम प्रत्याशी के रूप में चुनाव प्रचार करेगा और यह स्वाभाविक है कि खुद को निर्दोष बताएगा। यह दिल्ली दंगों के पीड़ितों के मुंह पर किसी तमाचे से कम नहीं होगा। यह दुर्भाग्यपूर्ण स्थिति इसलिए बनेगी, क्योंकि मौजूदा जन प्रतिनिधित्व कानून विचाराधीन कैदियों को चुनाव लड़ने की अनुमति देता है। यह विधि की विडंबना ही है कि कोई विचाराधीन कैदी वोट तो नहीं डाल सकता, लेकिन वह चुनाव लड़ सकता है। कानून की इस खामी का लाभ वे भी उठाते रहे हैं, जो गंभीर आरोपों में जेल में बंद होते हैं।

यह किसी से छिपा नहीं कि खालिस्तान समर्थक अमृतपाल सिंह और आतंकी फंडिंग का आरोपित इंजीनियर रशीद जेल में रहते हुए लोकसभा चुनाव जीत चुके हैं। भीषण दंगों के आरोपित ताहिर हुसैन को चुनाव लड़ने से रोका जा सकता था, यदि राजनीतिक दल निर्वाचन आयोग के इस प्रस्ताव को मान लेते कि संगीन धाराओं में आरोपित ऐसे लोगों को चुनाव लड़ने की छूट न मिले, जिनके खिलाफ चार्जशीट दायर हो गई हो।

राजनीतिक दलों ने इस उचित प्रस्ताव को इस आधार पर स्वीकार नहीं किया कि दोषी सिद्ध न होने तक हर किसी को निर्दोष माना जाना चाहिए। इस दलील ने राजनीति के अपराधीकरण का दरवाजा खोलने का काम किया। रह-रहकर कई ऐसे लोग निर्वाचित हो रहे हैं, जो गंभीर आरोपों का सामना कर रहे हैं।

आम आदमी पार्टी का पार्षद रह चुका ताहिर हुसैन बेहद गंभीर आरोपों से दो-चार है। उसके खिलाफ कई चार्जशीट दायर हो चुकी हैं। इन चार्जशीट के अनुसार उसने दिल्ली दंगों के दौरान आइबी अधिकारी अंकित शर्मा की हत्या की साजिश रची और उस भीड़ की अगुआई की, जो उसकी छत से बम फेंक रही थी। आरोप पत्र दायर होते समय संबंधित अदालत ने यह टिप्पणी भी की थी कि प्रथमदृष्टया ऐसा लगता है कि ताहिर हुसैन लगातार भीड़ की निगरानी करते हुए उसे निर्देश दे रहा था। इस सबके बाद भी उसे चुनाव प्रचार की सुविधा मिल जाना घोर लज्जा और निराशा की बात है। निराशाजनक यह भी है कि दंगों के पांच साल बाद भी ताहिर हुसैन को किसी भी मामले में सजा नहीं हो सकी। बेहतर होता कि सुप्रीम कोर्ट उसे जमानत देने के पहले यह सब देखता और इसकी परवाह करता कि इतने गंभीर आरोपों का सामना कर रहे अभियुक्त को चुनाव प्रचार करने की छूट देने से समाज को क्या संदेश जाएगा।

पतन की ओर पश्चिमी सभ्यता, बदलते हालात के संकेत

डेढ़ वर्ष पहले इजरायल पर 'हरकत अल-मुकवामातुल इस्लामिया' यानी हमास का हमला युद्ध की तरह लंबा चलता रहा। यूरोपीय शक्तियां इसमें निष्क्रिय या निष्प्रभावी रहीं। यह बदलते हालात का संकेत है। छह दशक पहले चार अरब देशों ने इजरायल पर चढ़ाई की थी और चारों को एक सप्ताह में मुंह की खानी पड़ी थी। अब स्थिति यह है कि कोई देश नहीं, बल्कि औपचारिक सत्ता से विहीन एक इस्लामी संगठन ने इजरायल को त्रस्त कर दिया।

अभी भी युद्धविराम हुआ, कोई जीत-हार नहीं हुई, जबकि इन दशकों में युद्ध तकनीक में परिष्कार हुआ है। यह घटनाक्रम इस्लामी राजनीति के समक्ष यूरोप-पश्चिम के पिछड़ने और अंतत: गिरने की आशंका को दर्शाता है। महान रूसी लेखक सोल्झेनित्सिन ने 50 वर्ष पहले ही पश्चिम की मानसिक नैतिक स्थिति को आश्चर्यजनक रूप से दुर्बल होता पाया था। उन्होंने अनुभव किया कि जिन मूल्यों और चेतना से आधुनिक यूरोप महान बना, उससे वह दूर हो चुका है। अब मात्र भौतिक सुख-सुविधा मुख्य प्रेरणा बन रही है। ऐसा समाज किसी विकट चुनौती के सामने घुटने टेकने को तैयार रहेगा। समय ने उन्हें अक्षरश: सही ठहराया। दो दशक पहले इतालवी-अमेरिकी पत्रकार ओरियाना फ्लासी ने 'रेज एंड प्राइड' तथा 'फोर्स आफ रीजन' जैसी पुस्तकों में अपने लंबे अनुभव से लिखा था कि यूरोप मर रहा है।

उसने अरब तेल के सामने अपनी प्रतिष्ठा 'बेच दी' और किंकर्तव्यविमूढ़ हो चुका है। फलत वहां बाहरी-अंदरूनी, दोनों रूपों में इस्लामी दबदबा बढ़ रहा है। हाल में अमेरिकी विद्वान बिल वार्नर और रिचर्ड बेंकिन ने यूरोप-अमेरिका तथा बांग्लादेश-भारत के घटनाक्रमों के लंबे शोध से वही पाया।

जिहाद इतिहासकार राबर्ट स्पेंसर के अनुसार अधिकांश यूरोपीय देशों का पतन होगा, जहां-तहां छिटपुट प्रतिरोध होते रहेंगे। अभी स्पेनिश लेखक अलवारो पेनास ने लिखा है कि इजरायल के अंतत: विनाश की आशंका वास्तविक है। इसके प्रति यूरोपीय और अमेरिकी राजनीतिक और बौद्धिक वर्ग उदासीन सा है। उसे यह भी समझ नहीं रह गई कि इजरायल के बाद अगला नंबर उसका ही होगा। विनाश के प्रति भारतीय राजनीतिक वर्ग की है। वह मामूली तथ्य देखने में असमर्थ है। इसकी चेतावनी वर्षों पहले बेंकिन ने अपनी शोध पुस्तक 'ए क्राइट केस आफ एथनिक क्लींजिंग' में दी थी। उनका कहना था कि बांग्लादेश में हिंदुओं के विनाश का अगला चरण भारत में हिंदुओं तथा यूरोप में क्रिश्चियनों का पराभव होगा। अनेक मुस्लिम नेता और लेखक भी अलग-अलग भाव से यह कहते रहे हैं। उन चिंताओं, चेतावनियों, दावों का कभी तथ्यपरक खंडन नहीं हुआ। उन बातों को 'अतिवादी' कहकर अनसुना कर दिया जाता है। यदि कोई ध्यान दिलाए तो अधिकांश बौद्धिक हंस देते हैं कि वैसा भी संभव है भला, पर वे किसी तथ्य, आंकड़े, विवरण, उससे निकलते निष्कर्ष का कोई उत्तर नहीं देते। अरविंद ने 1940 में ही कहा था कि यदि मुस्लिम मांगें मान ली गईं तो कश्मीर से हिंदुओं का सफाया हो जाएगा। उस समय भी हमारे तमाम प्रभावी नेताओं-बौद्धिकों ने उसे अनर्गल समझा था। कड़वी सच्चाइयों से मुंह फेरकर केवल अपनी ही काल्पनिक दलील के सहारे, तात्कालिक आरामदेह स्थिति में बने रहना ही यूरोपीय या भारतीय राजनीतिक और बौद्धिक वर्ग का तरीका रहा है। इजरायल, बांग्लादेश या भारत में भी कश्मीर, बंगाल आदि इलाके वास्तविक स्थिति स्पष्ट दिखा रहे हैं, पर उसका औपचारिक, मौखिक प्रतिकार भी करने से राजनीतिक-बौद्धिक वर्ग मुंह चुराता है। उलटे एक वोक किस्म का बौद्धिक वर्ग सदैव उत्पीड़ितों को ही दोषी ठहराने और उत्पीड़कों को आड़ देने में लगा रहता है। अमेरिकी विश्वविद्यालयों और सामाजिक संगठनों पर वोक दबाव भी उसी का संकेत है। गत वर्ष अमेरिका के ओरेगन में एक आदेश जारी हुआ कि हाईस्कूल उत्तीर्ण होने के लिए ठीक-ठीक पढ़ सकने या सामान्य गणित का जोड़-घटाव करने की क्षमता अब आवश्यक नहीं। वोक बौद्धिक गणित, इतिहास, दर्शन, क्लासिक साहित्य आदि कितने ही ज्ञान-विषयों के विरुद्ध हैं। वे इन विषयों को 'नस्लवादी' मानते हैं।

वे जिहाद जैसी वैश्विक परिघटना नहीं देखते। फलत हमास के बदले इजरायल को दुष्ट कहते हैं। इसी क्रम में अमेरिकी और भारतीय सरकारों को दोषी मानते हैं। सच्चाई बताने वाले लेखकों, पत्रकारों को नस्लवादी, घृणा फैलाने वाले आदि कहकर अपमानित करते हैं। सज्जन मुस्लिमों का उदाहरण दिखाकर वे किसी जिहाद के अस्तित्व से ही इनकार करते हैं।

उलटे इजरायल को नष्ट कर देने की चाह रखने वाले इस्लामी संगठनों का समर्थन करते या मौन रहते हैं। पश्चिमी बौद्धिकता और प्रभावी मीडिया में इसी समझ का अधिक प्रभाव है। कहीं भी वैश्विक जिहाद का खास नोटिस नहीं लिया जाता, सिवा इस रूप में कि इस बहाने निर्दोष मुसलमान परेशान किए जाते हैं। जिहादी हमलों ने मात्र पिछले साठ वर्षों में ही दुनिया भर में लाखों गैर-मुस्लिमों का संहार किया और इस कार्य में बाधक लगते मुसलमानों को भी मारा, मगर यह तथ्य मुख्यधारा के मीडिया एवं शिक्षण-विमर्श में लुप्त है।

खेल-खिलाड़ी

प्रशंसक के तौर पर टीम के समर्थन के लिए तैयार धोनी

नई दिल्ली। भारतीय टीम के पूर्व कप्तान महेंद्र सिंह धोनी अगले महीने होने वाली चौंपियंस ट्रॉफी में भारतीय टीम का समर्थन करने के लिए तैयार हैं। इस टूर्नामेंट के आधिकारिक ब्रॉडकास्टर स्टार स्पोर्ट्स ने एक प्रोमो वीडियो अपलोड किया है जिसमें धोनी शामिल हैं। चौंपियंस ट्रॉफी का आयोजन हाइब्रिड मॉडल के तर्ज पर 19 फरवरी से होना है, जिसमें भारत अपने मुकाबले पाकिस्तान के बजाए दुबई में खेलेगा।

चौंपियंस ट्रॉफी को शुरू होने में अब 20 दिन का समय शेष रह गया है और इससे पहले आधिकारिक प्रसारणकर्ता ने प्रोमो जारी किया है। वीडियो में धोनी यह कहते हुए दिख रहे हैं कि कप्तान रहते कूल (शांत) रहना आसान था, लेकिन एक प्रशंसक के तौर पर ऐसा कर पाना कठिन होगा। मालूम हो कि भारत ने 2013 में धोनी की ही कप्तानी में चौंपियंस ट्रॉफी का खिताब जीता था।

धोनी प्रोमो में इस बारे में बात कर रहे हैं कि यह टूर्नामेंट कितना कठिन होने वाला है और इसमें एक भी हार टीम के लिए आगे का सफर मुश्किल बना देगी। वीडियो में धोनी आने वाले टूर्नामेंट में खुद को शांत रखने के लिए धोनी रेफिजेरेशन सिस्टम का सहारा लेते दिख रहे हैं। धोनी इस वीडियो में कह रहे हैं, जब मैं कप्तान था तो मेरे लिए शांत रहना आसान था, लेकिन एक प्रशंसक के तौर पर चौंपियंस ट्रॉफी देखना आसान नहीं होगा। हमारी टीम काफी मजबूत है, लेकिन अगर हम एक भी मैच हारे तो टूर्नामेंट से बाहर होने की कगार पर पहुंच जाएंगे। लगातार चिंता से तापमान बढ़ रहा है। धोनी के नेतृत्व में भारत ने 2009 और 2013 में चौंपियंस ट्रॉफी में हिस्सा लिया था। धोनी के नेतृत्व में टीम 2013 में अपराजित रहते हुए विजेता बनी थी और उसने लगातार पांच मैच जीते थे। टूर्नामेंट में धोनी ने युवा टीम के साथ जाने का फैसला किया था और इसमें वीरेंद्र सहवाग, जहीर खान और गौतम गंभीर जैसे अनुभवी खिलाड़ियों को शामिल नहीं किया गया था। 2013 में जीतने के साथ ही भारत ने 2017 में हुए इस टूर्नामेंट के लिए क्वालिफाई कर लिया था। भारत को हालांकि, उस समय पाकिस्तान से फाइनल में हार का सामना करना पड़ा था। रोहित शर्मा की अगुआई वाली भारतीय टीम टूर्नामेंट का खिताब जीतने के इरादे से उतरेगी। भारत ने हाल ही में इसके लिए 15 सदस्यीय टीम का चयन किया था। भारत चौंपियंस ट्रॉफी में अपने अभियान की शुरुआत 20 फरवरी को बांग्लादेश के खिलाफ करेगा। इसके बाद ग्रुप चरण के अगले मुकाबले में उसका सामना चिर प्रतिद्वंद्वी पाकिस्तान से 23 फरवरी को होगा। फिर टीम दो मार्च को न्यूजीलैंड के खिलाफ मैच खेलेगी।

टेस्ट में 10000 रन पूरे करने वाले चौथे ऑस्ट्रेलियाई बल्लेबाज बने स्टीव स्मिथ

नई दिल्ली। ऑस्ट्रेलिया के अनुभवी बल्लेबाज और स्टैंड इन कप्तान स्टीव स्मिथ ने श्रीलंका के खिलाफ गाल में खेले जा रहे पहले टेस्ट मैच के दौरान टेस्ट क्रिकेट में 10000 रन पूरे कर लिए हैं। वह टेस्ट में 10000 रन पूरे करने वाले चौथे ऑस्ट्रेलियाई बल्लेबाज बन गए हैं। स्मिथ दूसरे ऐसे ऑस्ट्रेलियाई बल्लेबाज हैं जिन्होंने सबसे तेजी से यह उपलब्धि हासिल की है। स्मिथ के ऐसा करते ही मैदान पर दर्शकों और श्रीलंकाई टीम के खिलाड़ियों ने ताली बजाकर उनका अभिवादन किया। 35 वर्षीय स्मिथ टेस्ट में 10000 रन पूरे करने के मामले में सचिन तेंदुलकर, रिकी पोंटिंग और ब्रायन लारा जैसे दिग्गजों की सूची में शामिल हो गए हैं।

स्मिथ टेस्ट इतिहास में 10000 रन पूरे करने वाले दुनिया के 15वें बल्लेबाज हैं। उनसे पहले एलन बॉर्डर, स्टीव वॉ और पोंटिंग ऑस्ट्रेलिया के ऐसे बल्लेबाज हैं जो इस उपलब्धि पर पहुंचे हैं। स्मिथ ने यह मुकाम 115 टेस्ट और 205 पारियों में हासिल किया है। ब्रायन लारा, सचिन और कुमार संगकारा ने 195 पारियों में टेस्ट में 10000 रन पूरे किए थे।

स्मिथ के टेस्ट का सफर 2010 में पाकिस्तान के खिलाफ शुरू हुआ था। उनका डेब्यू यादगार नहीं रहा था और उन्होंने दोनों पारियां मिलाकर 13 रन बनाए थे। हालांकि, समय बितने के साथ ही वह ऑस्ट्रेलिया के सफल बल्लेबाजों में शामिल हुए और मध्य क्रम में टीम के मजबूत बल्लेबाज के तौर पर उभरे। उनके नाम टेस्ट प्रारूप में 34 शतक हैं और वह सबसे ज्यादा टेस्ट शतक लगाने वाले ऑस्ट्रेलिया के दूसरे बल्लेबाज हैं। उनसे ज्यादा शतक सिर्फ रिकी पोंटिंग ने लगाए हैं जिनके नाम टेस्ट में 41 शतक हैं।

स्मिथ श्रीलंका के खिलाफ टेस्ट सीरीज में पैट कमिंस की अनुपस्थिति में टीम की कमान संभाल रहे हैं। ऑस्ट्रेलिया ने हाल ही में पांच मैचों की टेस्ट सीरीज में भारत को हराया था और विश्व टेस्ट चौंपियनशिप (डब्ल्यूटीसी) फाइनल से पहले उसकी कोशिश श्रीलंका के खिलाफ दो मैचों की टेस्ट सीरीज में प्रभावित करने की होगी। ऑस्ट्रेलिया का जून में डब्ल्यूटीसी फाइनल में सामना दक्षिण अफ्रीका से होगा।

महापंचायत स्थगित होने के बावजूद चौंपियन के समर्थन में रंगमहल पहुंची भारी भीड़

नैनीताल। पूर्व विधायक कुंवर प्रणव सिंह चौंपियन और विधायक उमेश शर्मा के साथ विवाद का मामला अब तूल पकड़ रहा है। इस मामले में पूर्व विधायक चौंपियन को जेल होने के बाद महापंचायत बुलाई गई थी। जिसे स्थगित कर दिया गया था। लेकिन अब इसके बाद भी हजारों की संख्या में लोग लंढौरा रंगमहल पहुंच गए और जमकर हंगामा काटा। पुलिस प्रशासन ने रंगमहल का गेट बंद कर दिया था। पुलिस के साथ नोकझोंक हुई। काफी जद्दोजहद के बाद 10 मिनट के लिए गेट खोले

जाने की मांग पुलिस ने मान ली। जिसके बाद विभिन्न प्रदेशों और जिलों से आए समाज के नेताओं ने प्रशासन से विधायक उमेश के खिलाफ मोर्चा खोलते हुए कड़ी कार्रवाई की मांग की। इसके बाद लोगों से शांतिपूर्ण तरीके से वापस लौटने का आह्वान किया।

बता दें कि पूर्व विधायक कुंवर प्रणव सिंह को जेल भेजे जाने और विधायक उमेश कुमार को बेल मिलने को लेकर गुर्जर समाज की ओर से लक्सर में महापंचायत का ऐलान किया गया था। लेकिन एक दिन पहले रानी देवयानी ने चौंपियन के द्वारा पत्र लिखकर महापंचायत को टालने के अनुरोध को सुनाया। जिसके बाद महापंचायत स्थगित कर दी गई थी। लेकिन बुधवार को दिल्ली, यूपी आदि प्रदेशों से बड़ी संख्या में समाज के लोग लंढौरा पहुंच गए। पुलिस ने मुख्य मार्ग पर अंदर जाने वाले रास्ते पर बैरीकेडिंग लगा रखी थी, लेकिन काफी संख्या में लोग इधर-उधर गली में होते हुए रंगमहल के गेट पर पहुंच गए। यहां पुलिस ने गेट बंद कर दिया।

नेता प्रतिपक्ष बोले- पानी के भारी भरकम बिलों से जनता बेहाल

हिमाचल प्रदेश। पूर्व मुख्यमंत्री एवं नेता प्रतिपक्ष जयराम ठाकुर ने कहा कि सुक्खू सरकार के व्यवस्था परिवर्तन से प्रदेश के लोग त्रस्त हो चुके हैं। आए दिन किसी न किसी तुगलकी फरमान से प्रदेश के लोग परेशान हो रहे हैं। लोगों को परेशान करने में जल शक्ति विभाग भी पीछे नहीं है। प्रदेश में जगह-जगह पीलिया फैलने की खबरें आ रही है जिसका अर्थ है कि खराब गुणवत्ता वाले पेयजल की आपूर्ति की जा रही है। इसके साथ विभाग द्वारा लोगों को भेजे गए पानी के बिल का अलग करंट लग रहा है।

जोगिंदर नगर में ही लोगों के पानी के बिल में 1000 रुपए की वृद्धि करके उन्हें भेजा गया है। इसके खिलाफ वहां के लोगों ने संबंधित कार्यालय का घेराव करके अपना विरोध जताया और बढ़े हुए बिल को वापस न लेने पर आंदोलन करने की चेतावनी तक दे दी है। इसी तरह ठियोग में भी विभाग द्वारा बिना नल और कनेक्शन लगाए ही एक भवन का 45,000 रुपये का बिल उपभोक्ता को थमा दिया। ठियोग मंडल पहले भी मोटरसाइकिल और स्कूटर से पानी की सप्लाई के घोटाले के लिए चर्चा में आ चुका है। नेता प्रतिपक्ष ने कहा कि इस प्रकार से ये सरकार प्रदेश के लोगों को सिर्फ और सिर्फ परेशान करने का काम कर रही है। पानी के बिल में एक बार में इतनी बड़ी वृद्धि किसी भी लिहाज से सही नहीं है। क्या प्रदेश के लोग सरकार की नाकामियों की ऐसे कीमत चुकाएंगे। सरकार ने प्रदेश के लोगों को अपनी आय बढ़ाने का साधन समझ लिया है। जयराम ठाकुर ने कहा कि पानी के बिल के नाम पर ही प्रदेश के लोगों से हजारों रुपए की वसूली गलत है। इतने बड़े पैमाने पर लोगों के बिल में धांधली करके सरकार प्रदेश के लोगों को परेशान कर अपनी तिजोरी भरना चाह रही है। इस मामले में शासन स्तर से दखल दिया जाए और लोगों की समस्याओं का निस्तारण किया जाए वर्ना भाजपा सड़कों पर उतर कर सरकार के ऐसे निर्णय का विरोध करने को मजबूर हो जाएगी।

बरात लेकर पहुंचा दूल्हा, गांव में न मिली दुल्हन न उसका घर

शिमला। सज-धजकर और सेहरा बांधे दूल्हा बरातियों के साथ गाड़ी में दुल्हन के घर पहुंचा, लेकिन उसे न तो दुल्हन मिली और न ही दुल्हन का घर। हिमाचल प्रदेश के ऊना जिले के हरोली क्षेत्र के सिंगा गांव में मंगलवार को एक युवक की शादी से जुड़ा बेहद अजीबोगरीब मामला सामने आया। सुबह के समय कुटलैहड़ विधानसभा क्षेत्र के एक गांव से बराती गाड़ियों में सवार होकर सिंगा गांव पहुंचे। सिंगा के ग्रामीण भी बरात आती देख सोच में पड़ गए। बरातियों ने ग्रामीणों से पूछा कि यहां शादी वाला घर कौन सा है। लोगों ने कहा कि यहां तो कोई शादी नहीं है। यह सुनकर दूल्हा पक्ष के लोग विश्वास नहीं कर पाए। उन्होंने दुल्हन की फोटो दिखाई तो ग्रामीणों ने साफकहा कि यह लड़की तो हमारे गांव की नहीं है। यह सुनकर सभी के होश उड़ गए। अब मामला शांत होता नहीं दिख रहा है। मामले में ग्राम पंचायत ने बड़ा फैसला लिया है।

हरोली क्षेत्र से सिंगा गांव में मंगलवार को बरात लेकर पहुंचे दूल्हा परिवार को दुल्हन का घर न मिलने के मामले में बिचौलिया महिला की ओर से परिवार को धोखे में रखने की बात सामने आई है। बुधवार सुबह पंचायत के समक्ष दोनों पक्ष बैठे। फैसला लिया कि शादी की तैयारियों में दूल्हा पक्ष का जितना भी खर्च हुआ, वह आरोपी महिला चुकाएगी। ग्रामीणों को महिला का बायकॉट करने के निर्देश दिए गए। पंचायत प्रतिनिधियों ने कहा कि कोशिश की जा रही है कि आरोपी महिला को गांव से बाहर किया जाए। दूल्हा परिवार बंगाणा के नारी गांव का है। पंचायत प्रधान राम कुमार ने बताया कि महिला बिचौलिया की धोखेबाजी ने पूरा माहौल खराब किया है। दूल्हे वालों ने शादी का पूरा खर्च रीति-रिवाज से किया। दूल्हे वालों ने बताया कि शादी में उनका 5.86 लाख रुपये खर्च हुआ। पंचायत ने फैसला किया है कि महिला शादी का पूरा खर्च दूल्हे वालों को देगी। पहले भी धोखाधड़ी के मामलों में आरोपी रही हैं। बता दें, मंगलवार सुबह के समय कुटलैहड़ के नारी गांव से बरात गाड़ियों में सवार होकर पहुंची। सिंगा के ग्रामीण भी बरात देख सोच में पड़ गए। ग्रामीणों ने दूल्हा पक्ष से पूछा कि आपको कहां जाना है। इस पर बरातियों ने भी पूछा कि यहां शादी वाला घर कौन सा है। ग्रामीणों ने कहा कि यहां तो कोई शादी नहीं है। उन्होंने दुल्हन की फोटो दिखाई तो पता चला कि लड़की तो हमारे गांव की नहीं है। यह सुनकर सभी के होश उड़ गए। शादी की बिचौलिया नारी गांव की महिला भी गाड़ी से उतरी और कहा कि शादी इसी गांव में है। मैं लड़की के घर का पता करती हूं।

मल्लिकार्जुन खरगे से मिले सीएम सुखविंद्र सिंह सुक्खू

शिमला। मुख्यमंत्री सुखविंद्र सिंह सुक्खू ने बुधवार को नई दिल्ली में कांग्रेस के अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे से मुलाकात कर सरकार और संगठन की गतिविधियों से अवगत कराया। इस दौरान हिमाचल में कांग्रेस की नई कार्यकारिणी के गठन को लेकर चर्चा की गई। मुख्यमंत्री ने पार्टी के बड़े नेताओं की कार्यप्रणाली को लेकर फीडबैक दिया। मुख्यमंत्री सुक्खू इन दिनों दिल्ली विधानसभा चुनाव के प्रचार के लिए गए हुए हैं।

मंगलवार देर शाम को सीएम ने कालकाजी विस क्षेत्र में कांग्रेस प्रत्याशी अलका लांबा के पक्ष में चुनावी जनसभा की। बुधवार को भी मुख्यमंत्री ने कई क्षेत्रों में चुनावी

रैलियां की। दोपहर बाद खरगे से मुलाकात की। पार्टी सूत्रों के अनुसार इस दौरान प्रदेश में पार्टी के नए संगठन का किस प्रकार से गठन किया जाना है। कौन से नेता बड़ी जिम्मेवारियां संभालने के लिए सक्षम हैं। पूर्व पदाधिकारियों का कामकाज किस प्रकार से रहा। इसको लेकर मुख्यमंत्री ने अध्यक्ष को फीडबैक दिया। बता दें कि सात नवंबर 2024 को प्रदेश से लेकर जिला और ब्लॉक कांग्रेस कार्यकारिणियां भंग हुई थी।

दिल्ली चुनाव निपटते ही कार्यकारिणी का गठन होना है। पार्टी के सभी वरिष्ठ केंद्रीय नेता दिल्ली चुनाव में व्यस्त हैं। 8 फरवरी को परिणाम घोषित होंगे। ऐसे में इसके बाद ही नई कार्यकारिणी के गठन के लिए मंथन शुरू होगा। प्रदेश में नई कार्यकारिणी के गठन के लिए हाईकमान की ओर से दो सह प्रभारी और कई जिला पर्यवेक्षक नियुक्त किए गए थे। सह प्रभारी और पर्यवेक्षक प्रदेश का बीते दिनों दौरा कर अधिकांश बड़े नेताओं सहित विधायकों और सक्रिय कार्यकर्ताओं से मुलाकात कर चुके हैं।

पार्टी प्रभारी राजीव शुक्ल के माध्यम से हाईकमान को इन्होंने अपनी रिपोर्ट भी सौंप दी है। अब संभावना है कि जल्द ही कार्यकारिणी के गठन की प्रक्रिया शुरू हो जाएगी।

सार-संक्षेप

नक्शे पर पांच सेकेंड में कोई भी देश पहचान लेता है छह साल का सक्षम

शिमला। पर्यटन नगरी मनाली का छह साल का सक्षम नक्शे पर दुनिया के किसी भी देश को मात्र 5 से 10 सेकंड में पहचान सकता है। उनकी इस प्रतिभा ने भूगोल के क्षेत्र में नई मिसाल कायम की है। सक्षम की इस प्रतिभा के आकलन की पुष्टि उपायुक्त तोरुल एस रविश ने सक्षम के मिलने के बाद की। सक्षम को दुनिया के 195 देशों के झंडे, राजधानी, मुद्रा, भाषा और नाम स्पेलिंग के साथ याद हैं। इससे पहले सक्षम ने महज 5 वर्ष की उम्र में तीन बार नेशनल रिकॉर्ड बनाए हैं। इसमें मात्र पंद्रह महीने की उम्र में सभी अल्फाबेट सीखकर पहला रिकॉर्ड बनाया था।

मिरेकल बॉय का टाइटल हासिल किया था। दूसरा रिकॉर्ड तीन साल की उम्र में कार कलेक्शन का था। उन्होंने कार को देखकर दुनिया की लगभग सभी गाड़ियों की कंपनियों को पहचाना था। तीसरा रिकॉर्ड पांच साल उम्र में 195 देशों के झंडे, उनकी भाषा, मुद्रा और अधिकांश देशों की राजधानी और सभी देशों के नाम की स्पेलिंग याद करके बनाया था। इसके लिए सक्षम को यंगेस्ट फ्लैग एक्सपर्ट ऑफ इंडिया का टाइटल मिला था। विंटर कार्निवल में मुख्यमंत्री सुखविंद्र सिंह ने भी बच्चे को सम्मानित करने की बात कही है। सक्षम के पिता सागर और माता स्नेहा ने इस पर खुशी जाहिर की है।

हयात नगर पुलिस ने एक अभियुक्ता को किया गिरफ्तार

अमर भास्कर, ब्यूरो

संभल। थाना हयात नगर पुलिस ने एक नफर वारंटी अभियुक्ता को गिरफ्तार किया है पुलिस अधीक्षक जनपद सम्भल कृष्ण कुमार विश्नोई व अपर पुलिस अधीक्षक सम्भल श्रीश्चन्द्र के कुशल निर्देशन तथा क्षेत्राधिकारी सम्भल अनुज कुमार चौधरी व थाना प्रभारी चमन सिंह के कुशल नेतृत्व में जनपद सम्भल में कानून व्यवस्था, अपराध एवं अपराधियों पर प्रभावी नियन्त्रण हेतु पुलिस टीम द्वारा एक नफर वारण्टी अभियुक्ता कु मीनाक्षी पत्नी सुन्दरलाल निवासी झण्डे वाली मिलक थाना ऐचोडा कम्बोह जनपद सम्भल को न्यायालय अपर जिला एवं सत्र न्यायाधीश फास्ट ट्रैक कोर्ट नम्बर 1, मुरादाबाद को उसके मस्कन झण्डे वाली मिलक थाना ऐचोडा कम्बोह से गिरफ्तार किया गया। गिरफ्तार अभियुक्ता को न्यायालय पेश किया जा रहा हैं।

रामेश्वर सरन कोठीवाल की स्मृति में चल रहे अंतरविद्यालय क्रिकेट टूर्नामेंट का हुआ समापन

अमर भास्कर, ब्यूरो

चन्दौसी। बुधवार को सीता आश्रम रोड स्थित आर. आर. के. स्कूल चंदौसी के तत्वावधान में विद्यालय के पूर्व प्रबंधक स्वर्गीय साहू रामेश्वर सरन कोठीवाल की स्मृति में चल रहे इंटर स्कूल क्रिकेट टूर्नामेंट में आर. आर. के. स्कूल, ए. एम. वर्ल्ड स्कूल एवं न्यू सत्यम एकेडमी नें प्रतिभाग किया। टूर्नामेंट का समापन विद्यालय के छात्र-छात्राओं द्वारा प्रस्तुत सांस्कृतिक कार्यक्रमों के साथ हुआ।

स्कूल के प्रधानाचार्य डॉक्टर संजय कुमार पाण्डेय और उपप्रधानाचार्य डॉक्टर अर्चना शर्मा ने संयुक्त रूप से साहू जी के चित्र के समक्ष पुष्प अर्पित कर एवं दीप प्रज्वलित कर किया । इस अवसर पर प्रधानाचार्य डॉक्टर संजय कुमार पाण्डेय ने कहा कि खेलों का हमारे जीवन में अत्यधिक महत्व है खेलों के माध्यम से हम सामर्थ्य, सहनशीलता और सहयोग का कौशल भी सीखते हैं, खेलने से हमारा मानसिक स्वास्थ्य बेहतर होने के साथ-साथ मनोबल भी बढ़ता है। प्रथम पारी में दूसरे सेमी फाइनल क्रिकेट मैच के मुकाबले के लिए ए.एम. वर्ल्ड स्कूल ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करते हुए 3 विकेट के नुकसान से 83 बनाकर न्यू सत्यम एकेडमी की टीम को 22 रनों से हराकर फाइनल में जगह बना ली।

सेमी फाइनल मैच में मैन ऑफ द मैच का खिताब छात्र वीर वशिष्ठ के नाम रहा। फाइनल मैच ए एम वर्ल्ड व आर आर के के बीच हुआ। टॉस आर. आर. के.स्कूल ने जीतकर बल्लेबाजी करने का निर्णय लेते हुए 6 विकेट के नुकसान के साथ निर्धारित ओवरों में 98 रन बनाए। इसके जवाब में ए. एम. वर्ल्ड स्कूल 8 विकेट पर मात्र 49 रन ही बना सका। आर आर के ने 49 रनों से जीत हासिल कर फाइनल मैच की ट्रॉफी पर कब्जा कर लिया। फाइनल मैच के मैन ऑफ द मैच आर.आर. स्कूल के आयुष यादव रहे।

टूर्नामेंट में र बेस्ट फील्डर रूद्र, बेस्ट बैट्समैन आर्यन शर्मा, मैन ऑफ द टूर्नामेंट रूद्र प्रताप सिंह, तथा ए. एम. वर्ल्ड स्कूल के गर्व भारद्वाज बेस्ट बॉलर रहे।आर आर के स्कूल के कैप्टन देवांश वार्ष्णेय ने ट्रॉफी लीं। कार्यक्रम का संचालन विद्यालय के अंग्रेजी प्रवक्ता राकेश पाल सिंह एवं शिक्षिका शालिनी शर्मा ने संयुक्त रूप से किया। क्रिकेट मैच स्कोरर रजत राज एवं कमेंटेटर संजय गुप्ता, साथ ही साथ अंपायर सुगंध एवं अभिजीत शंखधार रहे। अरुण शर्मा, अनुज शर्मा, उदय प्रताप सिंह, श्याम मोहन कठेरिया, संजीव कुमार सिंह, सौरभ जैन आदि नें सभी खिलाड़ियों का उत्साहवर्धन करते हुए विशेष सहयोग किया। कार्यक्रम के अंत में उपप्रधानाचार्य डॉक्टर अर्चना शर्मा ने सभी का आभार व्यक्त किया।

नि:शुल्क कैंप का किया गया आयोजन

अमर भास्कर, ब्यूरो

संभल। मोहल्ला रुकनुद्दीन सराय में इंडियन यूथ ट्रस्ट द्वारा आंखों व स्कीन के सभी मरजो का कैंप लगाकर निशुल्क इलाज कराया गया जिसमें ट्रस्ट के अध्यक्ष मेहताब आलम ने कहा की हमारी ट्रस्ट की तरफ से समाज की सेवा के लिए अनेक कार्य किए जा रहे हैं हमारा उद्देश्य है कि हम सभी लोग मिलकर शिक्षा स्वास्थ रोजगार न्याय एवं देश की उन्नति के लिए कार्य करते रहें और युवाओं को भी हमारी इंडियन यूथ ट्रस्ट के साथ जुड़कर अपनी जिम्मेदारी को निभाना चाहिए आज में और हमारे सभी सम्मानित पदाधिकारी जगह जगह गरीब मजदूरों पिछड़ों की आवाज बुलंद

करते हैं उनके हक दिलवाने में भी मदद करते हैं और हमारे इंडियन यूथ ट्रस्ट की तरफ से जगह जगह आंखों की नि:शुल्क जांच और नि:शुल्क ऑपरेशन कराए जा रहे हैं।

कैंप में आंखों के स्पेशलिस्ट डॉक्टर तौफीक हसन और स्किन स्पेशलिस्ट डॉक्टर अनस इकान और इंडियन यूथ ट्रस्ट के एडवाइजर एहतेशाम राजा हाशमी, ट्रस्ट के जनरल सेक्रेटरी फरमान कादरी, ट्रस्ट के लीगल एडवाइजर एडवोकेट अकबर अली, ट्रस्ट की उपाध्यक्ष सलमान खान, ट्रस्ट के सचिव हमजा अली, बिलाल तुर्की और आदि लोग मौजूद रहे।

हर इलाके में आड़ू, प्लम, खुमानी उगाने की तैयारी

बिलासपुर। पद्मश्री सम्मान के लिए चयनित हिमाचल प्रदेश के बिलासपुर के पन्याला गांव के हरिमन शर्मा अब आड़ू, प्लम, खुमानी पर भी शोध को पूरा करने वाले हैं। चार साल से चल रहा उनका यह शोध इन फ्लों को गर्म क्षेत्रों में उत्पादन करने पर है। हरिमन शर्मा के मुताबिक शोध प्रक्रिया आखिरी चरण में है। इस साल के अंत तक शोध पूरा होने की उम्मीद है। इसके पूरा होने के बाद आड़ू, पलम, खुमानी के पौधे पूरे देश में उपलब्ध कराए जाएंगे। हरिमन शर्मा ने बताया कि बागवानी में नए शोध करना और बागवानों को उन्नत किस्म के पौधे उपलब्ध करवाना अब उनका जीवन का लक्ष्य बन गया है ताकि किसानों की

आर्थिकी सुदृढ़ ह हो सके।

हरिमन शर्मा का बागवानी में शोध करने सफर 1999 में शुरू हुआ। गरीबी के बावजूद उन्होंने आम की खेती को छोड़कर सेब की तरफ रुख किया। शुरुआत में हर साल तीन से चार लाख रुपये का घाटा होने के बावजूद उन्होंने हार नहीं मानी और सेब की खेती में मेहनत की। उन्होंने एचआरएमएन 99 नामक सेब की नई किस्म तैयार की, जो अब 29 राज्यों के साथ विदेशों में भी उत्पादित हो रही है। भारत सरकार के विज्ञान और प्रौद्योगिकी विभाग ने इसके डीएनए का परीक्षण किया और 2022 में एचआरएमएन 99 का पेटेंट प्राप्त हुआ। इस किस्म के सेब के पौधों को बेचकर हरिमन शर्मा को सालाना 50 से 60 लाख रुपये की आय हो रही है।

एसपी ने किया राजघाट का निरीक्षण

अमर भास्कर, ब्यूरो

संभल। पुलिस अधीक्षक जनपद संभल कृष्ण कुमार द्वारा थाना गुन्नौर क्षेत्रान्तर्गत मौनी अमावस्या के अवसर पर भारी मात्रा में आने वाले श्रद्धालुओं की सुरक्षा व्यवस्थाओं के दृष्टिगत राजघाट बबराला का भ्रमण व निरीक्षण किया गया। जहां पर गंगा स्नान हेतु आने वाले श्रद्धालुओं के लिए की गई व्यवस्थाओं, पार्किंग व्यवस्था, घाट पर आपात स्थिति से बचने के लिए की गई सुरक्षा व्यवस्थाओं एवं साफ-सफाई का जायजा लिया गया तथा घाट पर लगाई गई ड्युटियों को चेक किया गया एवं गंगा स्नान के दौरान श्रद्धालुओं को किसी प्रकार की समस्या न हो के संबंध में संबंधित को आवश्यक दिशा निर्देश दिए गए।

30 अप्रैल को होगा चारधाम यात्रा का शुभारंभ

उत्तराखंड। प्रसिद्ध चारधाम यात्रा का शुभारंभ इस बार 30 अप्रैल को होगा। धार्मिक परंपरा के अनुसार, अक्षय तृतीया पर दिन गंगोत्री व यमुनोत्री धाम के कपाट खुलने से यात्रा का आगाज होता है। दो फरवरी को बसंत पंचमी पर नरेंद्र राज दरबार में बदरीनाथ और 26 फरवरी को महाशिवरात्रि पर पंचांग गणना से केदारनाथ धाम के कपाट खुलने की तिथि तय की जाएगी।

बदरीनाथ-केदारनाथ मंदिर समिति मीडिया प्रभारी डॉ. हरीश गौड़ ने बताया कि बदरीनाथ धाम के कपाट खुलने की तिथि तय करने के लिए दो फरवरी को 10:30 बजे से नरेंद्रनगर राजदरबार में धार्मिक

समारोह शुरू होगा। विधिवत पूजा अर्चना व पंचांग गणना के पश्चात बदरीनाथ मंदिर के कपाट खुलने की तिथि घोषित की जाएगी। इसी दिन तेल कलश गाडू घड़ा यात्रा की तिथि भी तय की जाएगी।

इसके लिए बीकेटीसी ने तैयारियां शुरू कर दी हैं। इससे पहले 30 जनवरी को मंदिर समिति श्रीनृसिंह मंदिर ज्योतिर्मठ में डिमरी धार्मिक केंद्रीय पंचायत को तेल कलश गाडू घड़ा सौपेंगी। योगबदरी पांडुकेश्वर व श्रीनृसिंह मंदिर में पूजा-अर्चना के बाद पंचायत के प्रतिनिधि घड़े को दो फरवरी को राजमहल के सुपुर्द किया जाएगा। इसी कलश में निर्धारित तिथि पर राजमहल से तिलों का तेल पिरोकर कपाट खुलने के दिन बदरीनाथ धाम पहुंचता है। कार्यक्रम में महाराजा मनुजयेंद्र शाह, सांसद माला राज्यलक्ष्मी शाह, राजकुमारी शिरजा शाह, राजपुरोहित कृष्ण प्रसाद उनियाल, बीकेटीसी मुख्य कार्याधिकारी विजय प्रसाद थपलियाल विशेष रूप से मौजूद रहेंगे। केदारनाथ धाम के कपाट खुलने की तिथि 26 फरवरी को महाशिवरात्रि पर ओंकारेश्वर मंदिर ऊखीमठ में पंचांग गणना के बाद रावल, धर्माधिकारी वेदपाठी तय करेंगे। इस साल चारधाम यात्रा 30 अप्रैल अक्षय तृतीया से शुरू होगी। परंपरागत रूप से गंगोत्री और यमुनोत्री धाम के कपाट अक्षय तृतीया के दिन खुल जाएंगे।

सेना में ट्रांसजेंडर्स की भर्ती पर लगेगा प्रतिबंध

वाशिंगटन। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने सोमवार को एक कार्यकारी आदेश पर हस्ताक्षर किए, जिसके तहत अमेरिकी सेना में ट्रांसजेंडर्स की भर्ती पर रोक लग सकती है। कार्यकारी आदेश के तहत नए रक्षा मंत्री पीट हेगसेथ पेंटागन नीति की समीक्षा करेंगे और समीक्षा के बाद ट्रांसजेंडर्स सैनिकों के अमेरिकी सेना में भर्ती पर रोक लगाने का फैसला कर सकते हैं।

साथ ही इस आदेश के बाद उन सैनिकों की भी बहाली हो सकेगी, जिन्हें कोरोना महामारी के दौरान वैक्सीन लगवाने से इनकार के बाद नौकरी से निकाल दिया गया था। पीट हेगसेथ की नियुक्ति के बाद अमेरिका अंतरिक्ष में मिसाइल डिफेंस शील्ड तैनात करने की दिशा में भी काम शुरू करेगा। ट्रंप ने अपने आदेश में कहा है कि अपने जैविक लिंग के अलावा किसी अन्य लिंग के रूप में पहचाने जाने वाले सैनिकों द्वारा की गई सेवा एक सैनिक की सम्मानजनक, सत्यनिष्ठ और अनुशासित जीवनशैली के प्रति प्रतिबद्धता के साथ टकराव करती है, यहां तक कि उसके निजी जीवन में भी और सैन्य तैयारी के लिहाज से भी हानिकारक है। इसलिए इस मामले को संबोधित करने के लिए एक संशोधित नीति की जरूरत है। ट्रंप ने अपने पहले कार्यकाल के दौरान भी ट्रांसजेंडर्स सैनिकों पर प्रतिबंध लगाने की कोशिश की थी।

लेकिन कानूनी कार्यवाही के चलते वह ऐसा नहीं कर सके थे। बाद में जो बाइडन ने सत्ता संभालने के बाद इस फैसले को पलट दिया था। अपने पहले कार्यकाल में ट्रंप ने यूएस स्पेस कमांड और यूएस स्पेस फोर्स की स्थापना की थी। डोनाल्ड ट्रंप ने दिखाया है कि अंतरिक्ष उनकी प्राथमिकता में है। अब ट्रंप ने अंतरिक्ष में मिसाइल डिफेंस सिस्टम स्थापित करने की दिशा में काम करने के लिए पेंटागन को निर्देश दिया है।

अमेरिका का आरोप है कि चीन, रूस और अन्य देश अंतरिक्ष में हथियारीकरण को बढ़ावा दे रहे हैं। अब अमेरिका ने भी इस दिशा में काम करने का फैसला किया है। स्पेस फोर्स को इसकी जिम्मेदारी सौंपी जाएगी। ट्रंप ने अपने एक आदेश में इस्राइल के आयरन डोम की तर्ज पर भी एक मिसाइल डिफेंस सिस्टम विकसित करने का निर्देश दिया है। साल 2021 में करीब आठ हजार सैनिकों ने कोरोना वैक्सीन लेने से इनकार कर दिया था। इसके बाद आदेश न मानने के चलते इन सैनिकों को सेना से निकाल दिया गया था।

डीएम की अध्यक्षता में संपन्न हुई बैठक

अलीगढ़। जिलाधिकारी संजीव रंजन की अध्यक्षता में कलेक्ट्रेट सभागार में जिला सहकारी विकास समिति की प्रथम बैठक का आयोजन किया गया। बैठक का संचालन करते हुए सहायक आयुक्त एवं सहायक निबंधक सहकारियता कृष्ण कुमार ने बताया कि संयुक्त राष्ट्र द्वारा वर्ष 2025 को अन्तर्राष्ट्रीय सहकारिता वर्ष घोषित किया गया है, जिसके सफल क्रियान्वयन के लिए जिलास्तर पर संबंधित विभागीय अधिकारियों की डीसीडीसी समिति का गठन किया गया है।जिलाधिकारी ने संयुक्त राष्ट्र के सहकारिता आन्दोलन को जन-जन तक पहुॅचाने एवं इससे अधिकाधिक लोगों को लाभान्ति करने के लिए समिति सदस्यों को निर्देशित किया कि अपनी समितियों की संख्या बढ़ाने के लिए बंद पड़ी समितियों को पुन: संचालित कराया जाए और नई समितियों का गठन कर उत्पादन को बढ़ाया जाए।

जयशंकर बोले- पश्चिम एशिया को दुनिया के लिए महत्वपूर्ण मार्ग के रूप में देखता है भारत

नई दिल्ली। विदेश मंत्री एस. जयशंकर ने मंगलवार को कहा कि भारत पश्चिम एशिया को एक महत्वपूर्ण मार्ग के रूप में देखता है, जो उसे दुनिया के अन्य हिस्सों से जोड़ता है। उन्होंने कहा कि पिछले दस वर्षों में भारत और पश्चिम एशिया के बीच व्यापार, संपर्क और लोगों के आपसी संबंधों में तेजी से विस्तार हुआ है।

जयशंकर ने रायसीना मध्य पूर्व कार्यक्रम के उद्घाटन सत्र को संबोधित किया। इस दौरान उन्होंने कहा कि भारत के लिए पश्चिम एशिया क्षेत्र रणनीतिक दृष्टि से महत्वपूर्ण है। उन्होंने बताया कि भारत का खाड़ी देशों के साथ व्यापार करीब 160 से 180 डॉलर के बीच है। उन्होंने कहा, हमारी खाड़ी में बहुत व्यापक और अहम मौजूदगी है। यहां 90 लाख से अधिक भारतीय काम करते हैं और रहते हैं। इसके अलावा, खाड़ी देशों से भारत का संपर्क पश्चिम एशिया और उत्तरी अफ्रीका और भूमध्य सागर तक फैला हुआ है। विदेश मंत्री ने यह भी बताया कि भारत का भूमध्य सागरीय देशों के साथ सालाना व्यापार करीब 80 अरब डॉलर है और यहां करीब पांच लाख प्रवासी भारतीय रहते हैं। उन्होंने कहा कि भारत इस क्षेत्र में कई बड़ी परियोजनाओं पर काम कर रहा है, जिनमें हवाई अड्डे, बंदरगाह, रेल, हरित हाइड्रोजन, इस्पात आदि शामिल हैं। उन्होंने कहा,भारत और पश्चिम एशिया के प्रयासों को अफ्रीका और यूरोप तक बढ़ाया जा सकता है।

इसके साथ ही उन्होंने कहा कि संपर्क और समुद्री सुरक्षा को लेकर बहुपक्षीय सहयोग की जरूरत है। उन्होंने आगे कहा कि पश्चिम एशिया अब भारत का एक विस्तारित पड़ोसी बन चुका है और नई दिल्ली को इस क्षेत्र के साथ अपनी साझेदारी को और गहरा करना होगा। विदेश मंत्री जयशंकर ने संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) के राष्ट्रपति के राजनयिक सलाहकार अनवर गर्गश से भी मुलाकात की और दोनों देशों की विशेष साझेदारी पर चर्चा की।

शपथ ग्रहण से पहले सड़कों पर उतरे लोग

वाशिंगटन। अमेरिका के नवनिर्वाचित राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप 20 जनवरी को शपथ ग्रहण करेंगे। इससे पहले वॉशिंगटन डीसी में रविवार को हजारों लोगों ने ट्रंप की नीतियों के खिलाफ विरोध प्रदर्शन किया। लोग सड़कों पर उतरे और पीपुल्स मार्च बैनर के तले रैली निकाली। बताया जाता है कि प्रदर्शन में करीब पांच हजार लोगों ने भाग लिया। इसके अलावा अमेरिका के छोटे शहरों में भी प्रदर्शन हुए।

अमेरिका के नए राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप सोमवार को व्हाइट हाउस में मौजूदा राष्ट्रपति जो बाइडन की जगह लेंगे। ट्रंप के शपथ ग्रहण समारोह को लेकर जोरदार तैयारियां चल रही हैं। वहीं ट्रंप के शपथ ग्रहण से एक दिन पहले वॉशिंगटन डीसी की सड़कों पर लोगों ने प्रदर्शन किया। पीपुल्स मार्च में लोग ट्रंप विरोधी पोस्टर और बैनर लिए हुए थे। उन्होंने नए राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप और दिग्गज अरबपति एलन मस्क समेत कुछ अन्य समर्थकों के खिलाफनारेबाजी की। तीन अलग-अलग पार्क से शुरू हुए मार्च लिंकन मेमोरियल के पास संपन्न हुए। बताया जाता है कि जनवरी 2017 में जब ट्रंप पहली बार राष्ट्रपति बने थे तब भी पीपुल्स मार्च का आयोजन किया गया था।

प्रदर्शन के दौरान पीपुल्स मार्च के लोगों ने कहा कि विरोध प्रदर्शन के जरिये हम लोगों को बताना चाहते हैं कि हम उनके आदेशों को मानने वाले नहीं हैं और न ही हम फासीवाद के सामने झुक रहे हैं। हम अन्य लोगों को ऐसा करने के लिए आमंत्रित करते हैं। प्रदर्शन में एबॉर्शन एक्शन नाउ, टाइम टू एक्ट, सिस्टरसॉन्ग, विमेंस मार्च, पॉपुलर डेमोक्रेसी इन एक्शन, हैरियट्स वाइल्डेस्ट ड्रीम्स, द फे मिनिस्ट फ्रंट, नाउ, प्लांड पैरेंटहुड, नेशनल विमेंस लॉ सेंटर एक्शन फंड, सिएरा क्लब और फ्रंटलाइन समेत कई संगठन शामिल रहे। जबकि पीपुल्स मार्च से इस प्रदर्शन का नेतृत्व किया।

साइबर अपराध में फंसे 67 भारतीय को बचाया

लाओस। देश के बोकियो प्रांत स्थित गोल्डन ट्राएंगल स्पेशल इकोनॉमिक जोन में चल रहे साइबर अपराधों के अड्डों में फंसे 67 भारतीय युवाओं को भारतीय दूतावास ने बचाया है। इन्हें लाओस के अड्डों में तस्करी के जरिये लाया गया था। दूतावास ने सोमवार को घोषणा को कहा, इन युवाओं को जीटीएसईजेड में सक्रिय आपराधिक गिरोह ने धमकी और दुर्व्यवहार से वहां काम करने के लिए मजबूर किया था। मदद के लिए अनुरोध प्राप्त होने पर दूतावास के अधिकारियों ने उन्हें सभी आवश्यक सहायता प्रदान की। दूतावास की एक टीम ने जीटीएसईजेड का दौरा किया। आवश्यक प्रक्रियाओं और कागजी कार्रवाई को पूरा करने के लिए भारतीय दूतावास ने लाओस अधिकारियों के साथ मिलकर युवाओं को जीटीएसईजेड छोड़ने में मदद की। दूतावास ने बोकियो से विएंतियाने तक उनके परिवहन की सुविधा प्रदान की और बचाए गए।

पत्नी संग गोल्फ क्लब जश्न मनाने पहुंचे ट्रंप

अमेरिका। डोनाल्ड ट्रंप कल यानी 20 जनवरी को राष्ट्रपति पद की शपथ लेने जा रहे हैं। शपथ ग्रहण से पहले ट्रंप ने सत्ता में अपनी वापसी का जश्न मनाया। शाम को डलेस हवाई अड्डे पर पहुंचने के बाद अमेरिका के नवनिर्वाचित राष्ट्रपति और उनकी पत्नी मेलानिया सीधे गोल्फ क्लब पहुंचे। यहां आतिशबाजी में भाग लेकर समारोह की धमाकेदार शुरुआत की।

इस दौरान हजारों उत्साही समर्थक और प्रौद्योगिकी उद्योग के दिग्गज उनकी अगवानी के लिए उपस्थित थे। इस कार्यक्रम से ट्रंप के राष्ट्रपति के रूप में दूसरे शपथ ग्रहण से पहले के कार्यक्रमों की शुरुआत हुई। नवनिर्वाचित राष्ट्रपति ने वहां मौजूद लोगों का अभिवादन किया और हवा में अपनी मुट्ठी बांधकर समारोह के माहौल में जोश भर दिया। इससे पहले, ट्रंप और उनकी पत्नी मेलानिया तथा बेटे बैरोन विमान में सवार हुए। तीनों सीढ़ियों के शीर्ष पर कुछ देर के लिए रुके और ट्रंप ने विमान में प्रवेश करने से पहले हाथ हिलाया।

डोनाल्ड ट्रंप का शपथ ग्रहण समारोह सितारों से सजा हुआ है। कंट्री म्यूजिक स्टार कैरी अंडरवुड, बिली रे साइरस और जेसन एल्डियन, डिस्को बैंड द विलेज पीपल, रैपर नेली और संगीतकार किड रॉक इन उद्घाटन से संबंधित कार्यक्रमों और समारोहों में अपनी प्रस्तुतियां देने वाले हैं। अभिनेता जॉन वोइट और पहलवान हल्क होगन के भी इस कार्यक्रम में उपस्थित होने की उम्मीद है, साथ ही बड़ी संख्या में व्यापारिक अधिकारी भी शामिल होंगे जो ट्रंप के समर्थक हैं। मीडिया रिपोर्ट के अनुसार, टेस्ला और एक्स के सीईओ एलन मस्क, अमेजन के संस्थापक जेफ बेजोस, मेटा के सीईओ मार्क जुकरबर्ग और टिकटोक के सीईओ शो जी च्यू जैसे व्यापार जगत के दिग्गज भी इस समारोह का हिस्सा होंगे। जहां ट्रंप अपने क्लब में उपस्थित रहेंगे, वहीं उपराष्ट्रपति-निर्वाचित जेडी वेंस मंत्रिमंडल के सदस्यों के लिए एक स्वागत समारोह में भाग लेंगे और वाशिंगटन में रात्रिभोज की मेजबानी करेंगे।

अमेरिका के राष्ट्रपति-निर्वाचित डोनाल्ड ट्रंप के दूसरी बार शपथ ग्रहण के मौके पर अमेरिकी कैपिटल में ध्वज पूरे सम्मान के साथ फहराए जाएंगे। यह फैसला तब लिया गया जब ट्रंप ने पूर्व राष्ट्रपति जिमी कार्टर के निधन पर ध्वज आधे झुके रहने की प्रक्रिया पर नाराजगी जताई। बता दें, कार्टर का 29 दिसंबर को 100 वर्ष की आयु में निधन हो गया था। अमेरिका के निचली सदन के स्पीकर माइक जॉनसन ने घोषणा की।

कृषि प्रदर्शनी में विभिन्न विभागों ने किया प्रतिभाग

अमर भास्कर, ब्यूरो।

अलीगढ़। मण्डलायुक्त संगीता सिंह के निर्देशों के क्रम में एग्रोक्लाइमेटिक जोन स्तरीय तीन दिवसीय विराट किसान मेले का आयोजन राजकीय औद्योगिक एवं कृषि प्रदर्शनी के कृषि कक्ष में किया जाएगा।उप कृषि निदेशक यशराज सिंह ने उक्त जानकारी देते हुए बताया कि किसान मेले में कृषि, उद्यान, पशुपालन एवं मत्स्य विभाग की गोष्ठियां और कृषक जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। उन्होंने बताया कि कृषि विभाग द्वारा 04, 05, 06,07 ,08 व 09 फरवरी को, पशुपालन विभाग द्वारा 15 फरवरी को, उद्यान विभाग द्वारा 17 फरवरी को, एवं मत्स्य विभाग द्वारा 18 फरवरी को किसान मेले एवं गोष्ठी का आयोजन किया जाएगा।

यूक्रेन युद्ध खत्म कराना ट्रंप के लिए चुनौती

मास्को। रूस व यूक्रेन संभावित बातचीत से पहले वार्ता की मेज पर अपनी स्थिति मजबूत बनाने के लिए युद्ध के मैदान में बढ़त बना लेने के प्रयास में जुटे हैं। रूसी सेना पिछले साल लगातार यूक्रेनी सुरक्षा बलों को धकेलती हुई आगे बढ़ती रही है। वह पूर्व व दक्षिण के चार क्षेत्रों पर पूर्ण नियंत्रण स्थापित करने की कोशिश कर रही है।

रूस ने युद्ध की शुरुआत में जबरन इन क्षेत्रों का विलय कर लिया था, लेकिन वह कभी पूरी तरह से कब्जा नहीं कर पाया है। वह यूक्रेन के ऊर्जा नेटवर्क एवं अन्य महत्वपूर्ण बुनियादी ढांचे को कमजोर करने की कोशिश में ताबड़तोड़ मिसाइलें व ड्रोन दाग रहा है। दूसरी तरफ यूक्रेन ने रूस के कुर्स्क क्षेत्र में अपनी पैठ का विस्तार करने की कोशिश की है। यूक्रेन ने रूसी तेल केंद्रों व मॉस्को की युद्ध मशीन के लिए महत्वपूर्ण अन्य प्रमुख लक्ष्यों को मिसाइलों व ड्रोनों से निशाना बनाया है। दोनों ही पक्षों ने वार्ता के सिलसिले में ऐसा रूख अपना लिया है, जहां समझौते की गुजाइंश बहुत कम बची है।

इस बीच, चुनाव प्रचार के दौरान महज 24 घंटे के अंदर युद्ध रुकवा देने का दावा करने वाले ट्रंप ने माह की शुरुआत में समयसीमा बदल दी है। उन्होंने उम्मीद जताई कि छह महीने में शांति वार्ता हो सकती है। यूक्रेन में उनके नामित दूत कीथ केल्लोग का कहना है कि शांति समझौता 100 दिनों में हो सकता है। हजार से ज्यादा दिन से चल रहे इस युद्ध में दोनों देशों काफी नुकसान का सामना करना पड़ा है। एक रिपोर्ट की माने तो इस युद्ध में अब तक एक दस लाख से अधिक लोग या तो मारे जा चुके हैं या गंभीर रूप से घायल हुए हैं।

जंग फि से शुरू करने का अधिकार सुरक्षित

यरुशलम। इस्राइल-हमास समझौते को आज से लागू किया जाना है। गाजा में युद्ध विराम समझौते से पहले इस्राइली पीएम बेंजामिन नेतन्याहू ने कहा कि है इस्राइल को जंग फिर से शुरू करने का अधिकार है। उन्होंने कहा कि जब तक उन्हें हमास की ओर से रिहा होने वाले बंधकों की सूची नहीं मिल जाती, तब तक वे समझौते पर आगे नहीं बढ़ पाएंगे। नेतन्याहू ने कहा कि इस्राइल समझौते का उल्लंघन बिल्कुल बर्दाश्त नहीं करेगा।

हमास इसके लिए जिम्मेदार होगा। जरूरत पड़ी तो इस्राइल अमेरिका के समर्थन से फिर से युद्ध शुरू कर सकता है। हम चाहते हैं कि पहले सभी बंधकों को इस्राइल वापस लाया जाए। युद्ध शुरू होने के बाद हमने मध्य पूर्व का चेहरा बदल दिया है। नेतन्याहू ने यह भी कहा कि यह स्थायी समझौता नहीं है। उन्होंने कहा कि इस्राइल का हमास के साथ जो संघर्ष विराम हुआ है, उसे वे अस्थायी मानते हैं, और जरूरत पड़ने पर लड़ाई जारी रखने का अधिकार रखते हैं। नेतन्याहू ने युद्ध विराम शुरू होने से ठीक 12 घंटे पहले राष्ट्र को संबोधित किया। इस दौरान उन्होंने दावा किया कि अमेरिका के निर्वाचित राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप का उन्हें समर्थन प्राप्त है। वहीं मध्यस्थ कतर के विदेश मंत्री माजिद अल-अंसारी ने सोशल मीडिया पोस्ट में बताया कि युद्धविराम समझौता रविवार सुबह 8रू30 बजे से लागू हो जाएगा। उन्होंने लोगों को सावधानी बरतने व अधिकारियों के निर्देशों की प्रतीक्षा करने की सलाह दी। इस बीच, फ्लस्तीनी सेना के प्रवक्ता ने बंधकों के परिवारों से अपील की है कि वह इस्राइल को आखिरी वक्त में हमले तेज करने से रोकें, अन्यथा इन हमलों में बंधकों की मौत भी हो सकती है।

बंधकों की रिहाई की प्रणाली इस बात पर निर्भर करेगी कि इस्राइल कितने कैदियों को रिहा करता है। शनिवार सुबह इस्राइल के मंत्रिमंडल ने गाजा में संघर्ष विराम के लिए समझौते को मंजूरी दी थी। जिससे दोनों ओर के दर्जनों बंधकों को रिहा किया जा सकेगा और हमास के साथ 15 महीने से चल रहा युद्ध रुक जाएगा। इस समझौते के तहत अगले छह हफ्तों में 33 बंधकों को रिहा किया जाना है।

राष्ट्रपति पद की शपथ लेते ही एक्शन में दिखेंगे ट्रंप

वाशिंगटन। अमेरिका के नवनिर्वाचित राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप राष्ट्रपति पद की शपथ लेते ही एक्शन में दिखाई देंगे। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, राष्ट्रपति पद की शपथ लेने के कुछ देर बाद ही ट्रंप 100 के करीब कार्यकारी आदेश पर हस्ताक्षर कर सकते हैं। इन कार्यकारी आदेश के जरिए ट्रंप मौजूदा बाइडन सरकार के कई फैसलों को पलट सकते हैं।

डोनाल्ड ट्रंप ने सत्ता संभालने के बाद पहले दिन से ही बड़े पैमाने पर अवैध अप्रवासियों को देश से निकालने का वादा किया है। ट्रंप ने मीडिया से बात करते हुए कहा कि निर्वासन की प्रक्रिया जल्द ही शुरू होगी। ट्रंप शनिवार शाम तक वॉशिंगटन पहुंच सकते हैं। वहीं वॉशिंगटन के नजदीक वर्जीनिया स्थित ट्रंप के गोल्फ कोर्स में आतिशबाजी हुई।

जिसके साथ ही ट्रंप के राष्ट्रपति पद की शपथ लेकर होने वाले जश्न की शुरुआत हो गई है। गौरतलब है कि ट्रंप का शपथ ग्रहण समारोह यूएस कैपिटल के बाहर खुली जगह पर नहीं होगा, जहां आमतौर पर अमेरिकी राष्ट्रपतियों का शपथ ग्रहण समारोह होता है। दरअसल बेहद ठंड की वजह से इस बार शपथ ग्रहण समारोह यूएस कैपिटल के अंदर कैपिटल रोटुंडा हॉल में आयोजित किया जाएगा। 40 साल में यह पहली बार हो रहा है, जब राष्ट्रपति का शपथ ग्रहण समारोह खुले की बजाय इंडोर जगह में हो रहा है। डोनाल्ड ट्रंप 20 जनवरी 2025 को राष्ट्रपति पद की शपथ लेने जा रहे हैं।

शपथ ग्रहण कार्यक्रम का पूरा आयोजन संयुक्त संसदीय समिति उद्घाटन समारोह द्वारा किया जाएगा। अमेरिका के मुख्य न्यायाधीश जॉन रॉबर्ट्स, ट्रंप को पद और गोपनीयता की शपथ दिलाएंगे।

चाइल्ड केयर के तहत छुट्टी की मंजूरी

अमर भास्कर, भास्कर,

अलीगढ़। महिला प्रोफेसरों को अब बच्चे की देखभाल के लिए दो साल तक चाइल्ड केयर के नाम पर छुट्टी लेने का अधिकार मिलेगा। विश्वविद्यालय अनुदान आयोग (यूजीसी) ने इसे अपने नए नियमों में शामिल किया है, जिससे उच्च शिक्षण संस्थान इस छुट्टी देने में आनाकानी नहीं कर सकेंगे। यदि कोई संस्थान इस नियम का पालन नहीं करता है तो उसे डीबार भी किया जा सकता है। यूजीसी ने इस कदम को महिला प्रोफेसरों द्वारा की गई शिकायतों और समस्याओं को ध्यान में रखते हुए उठाया है।

महाभियोग झेल रहे राष्ट्रपति यून की औपचारिक गिरफ्तारी

दक्षिण कोरिया। देश के राष्ट्रपति यून सुक येओल को रविवार तड़के औपचारिक रूप से गिरफ्तार कर लिया गया। यून सुक येओल देश में महाभियोग का सामना कर रहे हैं। यून सुक येओल को कुछ दिन पहले सियोल में राष्ट्रपति निवास से हिरासत में लिया गया था।

इससे पहले कोर्ट ने इस बात पर विचार किया कि उनकी औपचारिक गिरफ्तारी के लिए कानून प्रवर्तन एजेंसी के अनुरोध को स्वीकार किया जाए या नहीं। यून सुक येओल के आवास पर कानून प्रवर्तन एजेंसी ने एक व्यापक अभियान चलाकर उन्हें बुधवार को हिरासत में लिया था। उन पर 3 दिसंबर को मार्शल लॉ की घोषणा से जुड़े संभावित विद्रोह के आरोप हैं। इससे पहले दक्षिण कोरिया की एक अदालत ने 16 दिसंबर को महाभियोग का सामना कर रहे राष्ट्रपति यून सुक येओल की रिहाई की मांग करने वाली याचिका को खारिज कर दिया। येओल के वकीलों ने यह याचिका दायर की थी। इससे पहले येओल से 15 दिसंबर को 10 घंटे से ज्यादा समय तक पूछताछ की गई थी। इसके बाद उन्हें सिओल के पास एक हिरासत केंद्र में भेजा दिया गया था। पूछताछ के दौरान उन्होंने अपने श्चुप रहने के अधिकारश् का उपयोग किया और गुरुवार को अधिकांश सवालों के जवाब देने से इनकार कर दिया। उनके वकीलों का कहना है कि यह जांच ही गैरकानूनी है। सुक येओल की ओर से 3 दिसंबर को मार्शल लॉ के एलान ने दक्षिण कोरियाई लोगों आश्चर्य में डाल दिया था।

इस घोषणा के बाद देशभर में आक्रोश देखने को मिला। हालांकि, मार्शल लॉ केवल कुछ घंटे तक ही लागू रहा, लेकिन इसने देश की राजनीति, कूटनीति और वित्तीय बाजार में हलचल मचा दी। इसके बाद एशिया के सबसे जीवंत लोकतंत्रों में से एक दक्षिण कोरिया ने अचानक से अभूतपूर्व राजनीतिक उथल-पुथल का दौर देखा। इसके बाद 14 दिसंबर को सांसदों ने उन पर महाभियोग चलाने के लिए मतदान किया।

स्वामी, मुद्रक व प्रकाशक अजरा परवीन द्वारा वेदवीर प्रिन्टर्स, विद्यापीठ पुरम् सिविल लाइन, बदायूं से मुद्रित एवं कार्यालय अमर भास्कर निकट रीजेन्सी होटल लावेला चौक, बदायूं (उ.प्र.) से प्रकाशित। **संपादक: अबरार अहमद** (इस अंक में प्रकाशित समाचार के चयन हेतु पी.आर.बी. की धारा 7 के अंतर्गत उत्तरदायी)। समस्त विवाद बदायूं न्यायालय के अधीन होगें। मोबाइल नं. 9411214614, ई-मेल: amarbhashkar21@gmail.com, RNI No.:- UPHIN/2021/82941

जनपद के नगरों को सुंदर आकर्षक और साफ सुथरा बनाएं रखने के लिए बनाये कार्य योजना: डीएम जसजीत कौर

▶▶प्रत्येक नगर निकाय क्षेत्र में ऐसी जगह का सौंदर्य करण सुनिश्चित करें जिसमें आमजन के लिए बैठने, खाने-पीने और उनको मनोरंजन की हो सुविधा ▶▶नगर के प्रवेश मार्गों को सुंदर बनाएं और उनके किनारों पर विभिन्न फूलदार वृक्षों का कराये रोपण

अमर भास्कर ब्यूरो

बिजनौर। जिलाधिकारी जसजीत कौर की अध्यक्षता में कलेक्ट्रेट सभागार में नगर निकायों द्वारा प्रस्तुत प्रस्तावित कार्य योजनाओं की प्रशासनिक/वित्तीय स्वीकृति प्रदान किये जाने के सम्बन्ध में गठित समिति की बैठक आयोजित हुई।

जिलाधिकारी कौर ने सभी अधिशासी अधिकारी नगर निकायों को निर्देश दिए कि सभी नगरों को सुंदर आकर्षक और साफ सुथरा बनाएं रखने के लिए कार्य योजना बनाएं और प्रत्येक नगर निकाय क्षेत्र में ऐसी जगह का सौंदर्य करण सुनिश्चित करें जिसमें आमजन के लिए बैठने, खाने-पीने और उनको मनोरंजन की सुविधा प्राप्त हो सके। उन्होंने यह भी निर्देश दिए की नगर के प्रवेश मार्गों को सुंदर बनाएं और उनके किनारों पर विभिन्न फूलदार वृक्षों का रोपण कराएं ताकि नगर में प्रवेश करने वालों को अच्छा आभास हो सके। उन्होंने सभी नगर निकाय अधिकारियों को निर्देश दिए कि आगामी बैठक में नगर को सुंदर, आकर्षक और उसमें नवाचार कार्य के लिए कार्य योजना बनाकर लाएं ताकि उस पर विचार किया जा सके। उन्होंने कहा कि 15 वित्त आयोग एवं अन्य मदों में प्राप्त होने वाली धनराशि का उपयोग नगर की सड़कें, नालियां निर्माण और साफ-सफाई में करने के साथ-साथ उसको आधुनिक, आकर्षक और सुविधाजनक बनाने में भी किया जाए। उन्होंने कार्य योजना पर विचार करते हुए सभी अधिशासी अधिकारी नगर निकायों को निर्देश दिए की जो भी उपकरण खरीदे जाएं उनमें मानकों का विशेष रूप से ध्यान रखा जाए तथा उनका सदुपयोग होना चाहिए। उन्होंने सचेत करते हुए कहा कि कोई भी उपकरण अथवा क्रय सामग्री बिना प्रयोग नहीं रहनी चाहिए। उन्होंने संबंधित अधिकारियों को यह भी निर्देशित किया कि सभी नगरों में नगर में प्रसिद्ध व ऐतिहासिक स्थानों एवं वहां उत्पादित होने वाले मुख्य उत्पाद जैसे नगीना के काष्ठ कला, शेरकोट में ब्रुश, किरतपुर के कांच, नहटौर के हथकरघा उत्पादों को उनकी गुणवत्ता सहित साइनेज बोर्डों में प्रदर्शित किया जाए। उन्होंने अधिशासी अधिकारी नगर पालिका बिजनौर को निर्देशित करते हुए कहा कि बिजनौर के प्राचीन इतिहास विशेष रूप से भरत-शकुंतला, महात्मा विदुर एवं महाभारत काल से संबंधित जानकारियों को साइन बोर्डों, वॉल पेंटिंग्स एवं विभिन्न माध्यमों से प्रदर्शित कराए ताकि बाहर से आने वाले लोगों को उनकी जानकारी प्राप्त हो सके। इस अवसर पर अपर जिलाधिकारी प्रशासन विनय कुमार सिंह, परियोजना अधिकारी डूडा पवन कुमार सहित अन्य विभागीय अधिकारी एवं अधिशासी अधिकारी व अवर अभियंता मौजूद थे।

भाजपा युवा नेता अभिनव त्यागी की नगीना में दिन प्रतिदिन तेजी के साथ बढ़ रही है लोकप्रियता

अमर भास्कर ब्यूरो

नगीना। भारतीय जनता पार्टी के युवा नेता अनुभव त्यागी की नगीना में लोकप्रियता दिन प्रतिदिन बढ़ती जा रही है इसका मुख्य कारण उनके द्वारा गरीबों की मदद करना तथा उन्हें इंसाफ दिलाना है।

अनुभव त्यागी की युवाओं में मजबूत पकड़ है अपने मिलनसार व्यवहार तथा लोगों की मदद के कारण उनकी छवि नगीना के एक लोकप्रिय युवा नेता के रूप मे बनती जा रही है। सुबह से शाम तक उनके निवास स्थान पर लोगों का तांता लगा रहता है वह हर व्यक्ति की समस्या सुनकर उसका समाधान करने का प्रयास करते है। इस संबंध में अनुभव त्यागी का कहना है कि गरीबों की मदद करने से उन्हें सुकून मिलता है वह हर पीड़ित व्यक्ति की लड़ाई को अपनी लड़ाई समझ कर लड़ते है। उन्होंने कहा कि भारतीय जनता पार्टी सभी को साथ लेकर चल रही है तथा भारतीय जनता पार्टी के शासनकाल में देश में तथा प्रदेश में रिकार्ड विकास कार्य हो रहे हैं । भारतीय जनता पार्टी की नीतियों से प्रभावित होकर सभी धर्म तथा जाति के लोग भाजपा से जुड़ रहे है। देश की जनता जान चुकी है कि उनके हित सिर्फ भारतीय जनता पार्टी मे ही सुरक्षित है क्योंकि भारतीय जनता पार्टी जाति धर्म की नहीं बल्कि विकास की राजनीति करती है उन्होंने भारतीय जनता पार्टी के कार्यकर्ताओ से भाजपा की नीतियों को जन-जन तक पहुंचाने का आह्वान करते हुए आगामी विधानसभा चुनाव की तैयारी मे अभी से की जान से जुट जाने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि हर पीड़ित व्यक्ति के लिए उनके दरवाजे हर वक्त खुले हुए है। वह जिस लायक है नगीना की आवाम के लिए हमेशा तैयार है।

पूर्व सैनिकों की समस्याओं के निदान के लिए जिला प्रशासन प्रतिबद्ध: डीएम

अमर भास्कर ब्यूरो

बिजनौर। जिलाधिकारी जसजीत कौर ने कहा कि पूर्व सैनिकों की समस्याओं के निदान के लिए जिला प्रशासन प्रतिबद्ध है और उनकी सभी शिकायतों का प्रभावी ढंग से निस्तारण कराया जाएगा।

उन्होंने कहा कि प्रदेश सरकार ने उनकी समस्याओं के निराकरण के लिए सैनिक बंधु बैठक के रूप में जो प्लेटफार्म दिया है, जिला प्रशासन इसका भरपूर लाभ उपलब्ध कराने के लिए कटिबद्ध है। बैठक में सबसे अधिक भूमि विवाद के प्रकरण/ शिकायतें जिलाधिकारी के समक्ष प्रस्तुत की गई। उक्त परिपेक्ष्य में उन्होंने आश्वस्त करते हुए कहा कि सभी उप जिलाधिकारी विशेष रूप से उप जिलाधिकारी, धामपुर के साथ मीटिंग कर उनकी समस्याओं को पूर्ण गुणवत्ता एवं तत्परता के साथ निस्तारण करना सुनिश्चित कराया जाएगा। जिलाधिकारी कौर कलेक्ट्रेट स्थित महात्मा विदुर सभागार में दोपहर 12 बजे जिला सैनिक कल्याण बन्धु की आयोजित बैठक की अध्यक्षता करते हुए निर्देश दे रही थीं। जिलाधिकारी द्वारा सभी प्रर्थाना पत्रों को बहुत ही ध्यान से सुना और सम्बन्धित अधिकारियों को त्वरित निस्तारण के लिए निर्देशित किया गया। उन्होंने जिला सैनिक कल्याण अधिकारी को निर्देश दिए कि बैठक से नई एवं पुरानी निस्तारित एवं अनिस्तारित शिकायत की विभागवार सूची तैयार करें और जिन विभागों द्वारा शिकायतों के निस्तारण में कोई कार्रवाई नहीं की गई है, उनको संज्ञानित करें और उनके भी संज्ञान में लाएं ताकि सक्षम स्तर से शिकायतों का पूर्ण गुणवत्ता के साथ निस्तारण सुनिश्चित कराया जा सके। जिलाधिकारी जसजीत कौर द्वारा पूर्व में सम्पन्न जिला सैनिक बन्धु बैठक में उठाये गये बिन्दुओं पर की गयी कार्यवाही का अनुश्रवण कर उनको प्राथमिकता के साथ निस्तारित करने के संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिए गए। बैठक के दौरान अपर जिलाधिकारी (प्रशासन) विनय कुमार सिंह, अपर पुलिस अधीक्षक शहर संजीव बाजपेई, एलडीएम जितेंद्र कुमार, वरिष्ठ कोषाधिकारी विजय शंकर तिवारी, जिला सैनिक कल्याण अधिकारी कैप्टन अनिल गुप्ता सहित अन्य अधिकारी एवं सैनिक बन्धु मौजूद थे।

पर्यावरण प्रेमी एसडीएम मांगेराम चौहान ईओ संदीप सक्सेना को स्मृति चिन्ह देकर किया गया सम्मानित

अमर भास्कर ब्यूरो

नगीना। राष्ट्रीय पर्व गणतंत्र दिवस के अवसर पर नगीना में गांधी मूर्ति चौक पर संपन्न हुए भव्य व ऐतिहासिक सामूहिक राष्ट्रगान व प्रतिभा सम्मान समारोह में मुख्य अतिथि उप जिलाधिकारी मांगे राम चौहान व विशिष्ट अतिथि अधिशासी अधिकारी नगर पालिका परिषद नगीना संदीप सक्सेना को कार्यक्रम की सफलता का धन्यवाद देते हुए समर्पण सेवा संस्थान के अध्यक्ष व भारतीय जनता पार्टी के जिला उपाध्यक्ष प्रमोद चौहान तथा संस्थान के सचिव सचिन रुहेला ने शाल औढ़ाकर तथा समृति चिन्ह देकर सम्मानित किया। इस मौके पर उप जिलाधिकारी मांगेराम चौहान ने कहा कि समर्पण सेवा संस्थान ने जो आज उन्हें सम्मान दिया है उसके वह सदा आभारी रहेंगे। समर्पण सेवा संस्थान के कार्यों की जितनी भी सराहना की जाए कम है। वह जब तक नगीना में तैनात है हर किसी की समस्या के समाधान के लिए हमेशा तत्पर रहेंगे और जो भी नगीना के विकास में वह सहयोग कर सकते हैं वह हमेशा करते रहेंगे क्योंकि उनके जीवन का मकसद लोगों की सेवा करना है। इस मौके पर पंडित सचिन शर्मा, ओमपाल सैनी, अरुण शर्मा, परितोष कौशिक, सलीम सैफी आदि उपस्थित रहे।

उप जिलाधिकारी व ईओ ने सम्मान के लिए किया आभार व्यक्त

प्रधानमंत्री मातृ वंदना योजना का किया जाए व्यापक रूप से प्रचार प्रसार: जिलाधिकारी जसजीत कौर

योजना के जिला समन्वयक को सीडीपीओ एवं आंगनबाड़ी कार्यकत्रियों को ट्रेनिंग उपलब्ध कराने के लिए किया निर्देशित

अमर भास्कर ब्यूरो

बिजनौर। जिलाधिकारी जसजीत कौर ने विकास भवन सभागार में बाल विकास सेवा एवं पुष्टाहार विभाग के तत्वाधान आयोजित होने वाली जिला पोषण समिति की मासिक समीक्षा बैठक की अध्यक्षता करते हुए निर्देश दिए कि प्रधानमंत्री मातृ वंदना योजना का व्यापक रूप से प्रचार प्रसार किया जाए ताकि लोग जागरूक होकर उक्त योजना का ज्यादा से ज्यादा लाभ अर्जित कर सकें। उन्होंने उक्त संबंध में योजना के जिला समन्वयक को सीडीपीओ एवं आंगनबाड़ी कार्यकत्रियों को ट्रेनिंग उपलब्ध कराने के लिए भी निर्देशित किया। उन्होंने निर्देश दिए कि सैम बच्चों को स्वास्थ्य वृद्धि के लिए रखे जाने वाले केंद्रों का औचक रूप से निरीक्षण करें ताकि उनके स्वास्थ्य प्रगति, स्वास्थ्य वर्द्धक मील, स्वास्थ्य परीक्षण, देख-रेख सहित सभी मानकों की वास्तविक जानकारी प्राप्त हो सके।

जिलाधिकारी कौर ने सभी सीडीपीओ को निर्देश दिए कि अपने अधीनस्थ आंगनबाड़ी केंद्रों का औचक रूप से निरीक्षण करें और सुनिश्चित करें कि कोई भी आंगनबाड़ी केंद्र बंद न मिले तथा सभी केंद्र समय से खुले एवं समय पूर्वक बंद हों। उन्होंने सीडीपीओ को निर्देशित करते हुए कहा कि यह भी सुनिश्चित किया जाए कि लाभार्थी को नियमित रूप से मानक के अनुसार पोषण सामग्री प्राप्त हो। उन्होंने डीपीओ से एनआरसी केंद्र की जानकारी प्राप्त करते हुए निर्देश दिए कि एनआरसी केंद्र में भर्ती बच्चों एवं उनके तीमारदारों के लिए भोजन सहित सभी आवश्यक सुविधाएं प्राप्त होनी चाहिए। समीक्षा के दौरान पाया गया कि सभी केंद्रों में माह दिसंबर 2024 का पोषण आहार वितरित कराया जा चुका है तथा जनवरी 2025 के लिए वितरण कराया जा रहा है। उन्होंने यह भी निर्देश दिए कि सभी आंगनबाड़ी केंद्रों में पेयजल और शौचालय की शत प्रतिशत सुविधा उपलब्ध रहे। इस अवसर पर मुख्य विकास अधिकारी पूर्ण बोरा ने सभी सीडीपीओ को निर्देशित करते हुए कहा कि आंगनबाड़ी केंद्रों में कार्यकत्रियों की भर्ती के लिए जो चयन प्रक्रिया संचालित है, उसमें किसी भी प्रकार की अनियमितता नहीं होनी चाहिए। यदि किसी केंद्र पर अनियमितता पाई जाती है तो उसके लिए सीडीपीओ ही जिम्मेदार होंगे। कार्यक्रम में डीपीओ शीतल वर्मा, जिला पंचायत राज अधिकारी दमनप्रीत अरोड़ा, जिला अर्थ एवं संख्या अधिकारी लक्ष्मी देवी सहित अन्य विभागीय अधिकारी एवं सीडीपीओ, सुपरवाइजर, जिला समन्वयक उपस्थित थे।

नगीना थाना प्रभारी तेजपाल सिंह के कार्यकाल में घटा अपराधों का ग्राफ

▶▶थाना क्षेत्र से अपराधों का सफाया व पीड़ित को त्वरित कार्यवाही कर इंसाफ दिलाना पहली प्राथमिकता : तेजपाल सिंह ▶▶नगर की राजनीतिक व सामाजिक लोगों ने की थाना प्रभारी तेजपाल सिंह की खुले मन से प्रशंसा

अमर भास्कर ब्यूरो

नगीना। थाना प्रभारी तेजपाल सिंह के कुशल नेतृत्व में नगीना से अपराध लगभग समाप्त सा हो गया है। नगर वासी उनकी कार्यशैली की खुले दिल से प्रशंसा कर रहे हैं। नगीना की जनता का कहना है कि जब से थाना प्रभारी तेजपाल सिंह ने नगीना थाने का चार्ज संभाला है तब से नगीना में अपराध का ग्राफ लगभग समाप्त सा हो गया है। लोग भय मुक्त अपराध मुक्त माहौल में रह रहे हैं। पीड़ित को शीघ्र इंसाफ मिल रहा है। लोगो कहना है कि पहले लोग थाने अकेले जाने से डरते थे। जिस कारण थाने में दलालों का बोलबाला था। लेकिन जब से थाना प्रभारी तेजपाल सिंह ने नगीना थाने की कमान संभाली है तबसे थाने में दलालों का आना जाना लगभग बंद हो गया है दलालों ने अपनी दुकान बंद कर ली है। आज कोई भी पीड़ित व्यक्ति सीधे थाने जा सकता है। क्योंकि थाना प्रभारी तेजपाल सिंह ने थाने के समस्त स्टाफ को सख्त हिदायत दे रखी है कि थाने आने वाले पीड़ित व्यक्ति की सुनवाई प्राथमिकता के आधार पर की जाए तथा पीड़ित की संतुष्टि सर्वोपरि है अगर कोई भी पुलिसकर्मी थाने आने वाले फरियादी के साथ गलत व्यवहार करेगा तो वह उसके विरुद्ध कड़ी कानूनी कार्यवाही करेंगे। लोगों का कहना है कि अगर थाना प्रभारी तेजपाल सिंह जैसे अधिकारी 50 प्रतिशत भी पुलिस विभाग में आ जाए तो हमारे देश से भ्रष्टाचार अपराध अपने आप समाप्त हो जाएगा। उनके कार्यकाल में हर पीड़ित व्यक्ति की फरियाद सुनी जा रही है तथा उसका निस्तारण भी प्राथमिकता के आधार पर किया जा रहा है। नगर के समाजसेवी डॉक्टर शादाब डॉक्टर,जाहिद हुसैन युवा भाजपा नेता अनुभव त्यागी आदि का कहना है कि थाना प्रभारी तेजपाल सिंह की कार्यशैली की जितनी भी प्रशंसा की जाए कम है उन्होंने अपने कुशल नेतृत्व से नगीना में पुलिस बल का एक ऐसा अभेद किला कायम कर रखा है जिसे भेद पाना अराजक तत्वों के बस की बात नहीं है उनकी कार्य शैली की जितनी भी प्रशंसा की जाए कम है।

आसपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष चंद्रशेखर आजाद जनता की आवाज पहुंच रहे हैं लोकसभा: विकास सूर्यवंशी

अमर भास्कर ब्यूरो

नगीना। आजाद समाज पार्टी के नगीना विधानसभा के संभावित प्रत्याशी विकास सूर्यवंशी ने कहा कि आजाद समाज पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष तथा नगीना सांसद चंद्रशेखर आजाद जनता की आवाज सड़कों से लेकर लोकसभा तक उठा रहे हैं। बुधवार की दोपहर स्टेशन रोड स्थित एक प्रतिष्ठान पर आयोजित प्रेस वार्ता को संबोधित करते हुए विकास सूर्यवंशी ने कहा कि आज पूरे देश में आजाद समाज पार्टी की आंधी चल रही है क्योंकि जनता जानती है कि उनके हकों की लड़ाई सिर्फ चंद्रशेखर आजाद ही लड़ सकते हैं। आजाद समाज पार्टी की नीतियों से प्रभावित होकर सभी धर्म तथा जाति के लोग लगातार पार्टी से जुड़ रहे हैं। जनता भाजपा सपा बसपा कांग्रेस की नीतियों को समझ चुकी है तथा देश तथा प्रदेश की जनता परिवर्तन चाह रही है। उन्होंने कहा कि आज देश को पूंजीपति तथा उद्योगपति चला रहे हैं महंगाई चरम सीमा पर है। जनता को पता है कि चंद्रशेखर आजाद गरीब मजलूम लोगों को इंसाफ दिलाने के लिए लगातार संघर्ष कर रहे हैं प्रदेश के हालात देखकर महसूस होने लगा है कि आगामी विधानसभा चुनाव के बाद उत्तर प्रदेश में आजाद समाज पार्टी की सरकार बनेगी। उन्होंने पार्टी कार्यकर्ताओं से आपसी मतभेद भुलाकर अभी से आगामी विधानसभा चुनाव की तैयारी में जुड़ जाने का आहवन किया। प्रेस वार्ता में उनके साथ विधानसभा अध्यक्ष ललित कुमार, मोहम्मद शान, आदिल, प्रवेश खान, तैयब

नगीना एसडीएम मांगेराम चौहान ने चेयरपर्सन पुत्र शाहनवाज खलील को किया सम्मानित

अमर भास्कर ब्यूरो

नगीना। एम एम इंटर कॉलेज में सांस्कृतिक कार्यक्रमों का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ नगीना के लोकप्रिय उप जिलाधिकारी मांगेराम चौहान द्वारा किया गया। इस मौके पर उप जिलाधिकारी मांगेराम चौहान ने छात्राओं को संविधान के बारे में विस्तार पूर्वक बताया। उन्होंने कहा कि विश्व में सिर्फ हमारे देश का संविधान ही ऐसा है जिसमें सभी धर्म तथा सभी जाति के लोगों के समान अधिकार हैं। उन्होंने कार्यक्रम में उपस्थित सभी छात्राओं तथा कॉलेज के स्टाफ से एक-एक पौधा लगाने का आहवान किया।

कार्यक्रम में नगर पालिका नगीना के चेयर पर्सन के पुत्र जिला बिजनौर अध्यक्ष संघ के जिला अध्यक्ष शाहनवाज खलील युवा समाजसेवी शेख जमशेद ने उप जिलाधिकारी मांगेराम चौहान को फूलों का गुलदस्ता भेंट किया। इस अवसर पर शाहनवाज खलील ने कहा कि नगीना के उप जिलाधिकारी मांगेराम चौहान एक बेहतरीन इंसान है तथा उनके कार्य करने का तरीका बिलकुल अलग। यह प्रत्येक फरियादी की फरियाद को गंभीरता से सुनते है तथा उसका निस्तारण शीघ्र करवा देते हैं। उप जिलाधिकारी मांगेराम चौहान की कार्य शैली से जनता बेहद प्रसन्न है लोगों का कहना है कि उप जिलाधिकारी मांगेराम चौहान जैसे 50व भी अधिकारी आ जाए तो हमारे देश से भ्रष्टाचार अपने आप समाप्त हो जाएगा। इस मौके पर प्रधानाचार्य शाहिद अली गोहर, अध्यापक सचिन शर्मा शहजाद अली, मोनिस, डॉ शहजाद, जहीर अनवर, शददन ठेकेदार, अजार सैफी, सहित कॉलेज का समस्त स्टाफ उपस्थित था।

डॉ. नवेद अकबर शिक्षा के क्षेत्र में निभा रहे हैं अपनी महत्वपूर्ण भूमिका

अमर भास्कर ब्यूरो

स्योहारा। नगर और क्षेत्र में यूं तो कई प्रतिभाओं के धनी युवाओं ने समय समय पर अपना नाम रोशन किया है ऐसी ही एक शख्सियत है डा. नवेद अकबर जो कि समाज सेवी और [illegible] नेता मरहूम डॉ नावेद रशीद सिद्दीकी के पुत्र और अपने जमाने के बुजुर्ग हस्ती मरहूम अकबर हुसैन के पोते भी है।

उच्च शिक्षा हासिल कर डॉ. नवेद अकबर ने अपनी डिग्री बायोटेक्नोलॉजी में प्राप्त करने के बाद उन्होंने केन्द्र सरकार के कृषि मंत्रालय में कार्य कर रहे थे लेकिन कोविड के समय, वो अपनी नौकरी छोड़कर, अपने पिता के अंतिम समय में उनके पास आ गये और यहीं शिक्षक के रूप में कार्य करने लगे। अपने पिता और दादा की तरह सेवा का भाव है जिसके चलते वे कई विद्यार्थियों को निःशुल्क बायोलोजी के नोट्स और सेम्पल पेपर प्रदान करते रहते है। इनका कहना है कि कोई भी 12 वीं कक्षा का विद्यार्थी जो सीबीएसई के बोर्ड एग्जाम की तैयारी कर रहा है वो इनसे फ्री सेम्पल पेपर ले सकता है। 12वीं कक्षा के बायोलॉजी के बच्चे जो बोर्ड एग्जाम की तैयारी कर रहे हैं, इनसे ज्यादा से ज्यादा लाभ उठा सकते है। वहीं डॉ नवेद अकबर ने सभी अभिभावकों से अपने अपने बच्चों को अच्छी तालीम दिलाने की अपील करते हुए कहा कि आपकी आज की मेहनत कल आपके बच्चों का उज्जवल भविष्य बनाएगी इसलिए अपने बच्चों को खासतौर पर अपनी बेटियों जरूर पढ़ाने की अपील की।

राज्य कर्मचारी संयुक्त परिषद: धीरज सिंह जिला अध्यक्ष व क्रांति कुमार शर्मा बने जिला महामंत्री

▶▶कर्मचारी हितों के लिए कार्य करें संगठन: हरि किशोर तिवारी ▶▶राज्य कर्मचारी संयुक्त परिषद का द्विवार्षिक अधिवेशन हुआ आयोजित

अमर भास्कर ब्यूरो

बिजनौर। राज्य कर्मचारी संयुक्त परिषद के द्विवार्षिक अधिवेशन में प्रांतीय अध्यक्ष इंजीनियर हरीकिशोर तिवारी ने कर्मचारियों के हितों के लिए कार्य करने पर जोर दिया। इस मौके पर आयोजित निर्वाचन में धीरज कुमार जिला अध्यक्ष तथा क्रांति कुमार शर्मा जिला महामंत्री निर्विरोध चुने गए।

बुधवार को इंदिरा बाल भवन के सभागार में आयोजित राज्य कर्मचारी संयुक्त परिषद के द्विवार्षिक अधिवेशन में संगठन से जुड़े पदाधिकारी मौजूद रहे। अधिवेशन को संबोधित करते हुए प्रांतीय अध्यक्ष हरि किशोर तिवारी ने कहा कि संगठन कर्मचारियों के हितों के लिए कार्य करें। उन्होंने प्रांत स्तर पर हर संभव सहयोग करने का आह्वान किया। इस मौके पर प्रांतीय महामंत्री शिवबरन सिंह यादव ने कहा कि सरकार द्वारा आठवां वेतन आयोग की कार्यवाही शुरू की गई है। उसमें कर्मचारियों तथा शिक्षक हितों को ध्यान में रखते हुए अध्ययन कर अपने सुझाव देने होंगे। उन्होंने आठवां वेतन आयोग के गठन पर कर्मचारी संगठनों से नजर रखने को कहा है। इस मौके पर आयोजित निर्वाचन प्रक्रिया में जिला अध्यक्ष पद पर धीरज सिंह ,महामंत्री पद पर क्रांति कुमार शर्मा, जिला वरिष्ठ उपाध्यक्ष पद पर शूरवीर सिंह, संप्रेक्षक पद के लिए ललित कुमार निर्विरोध चुने गए। तथा संरक्षक पद पर पूर्व जिला अध्यक्ष श्री देशराज सिंह को मनोनीत किया गया। चुनाव अधिकारी शिवध्यान सिंह, सहायक चुनाव अधिकारी योगेश्वर की देखरेख में आयोजित हुआ। निर्वाचित पदाधिकारी को पद एवं गोपनीयता की शपथ प्रांतीय अध्यक्ष श्री हरि किशोर तिवारी ने दिलाई। निर्वाचित जिला अध्यक्ष धीरज सिंह व महामंत्री क्रांति कुमार शर्मा ने कर्मचारी हितों के लिए कार्य करने पर जोर दिया। इस मौके पर अटेवा के प्रांतीय उपाध्यक्ष चंद्रहास सिंह ,राज्य कर्मचारी महासंघ के अध्यक्ष राकेश कुमार शर्मा, डिप्लोमा फार्मासिस्ट के अध्यक्ष राजेश रवि, पूर्व अध्यक्ष गजेंद्र शर्मा, जूनियर हाई स्कूल शिक्षक संघ के जिला अध्यक्ष सुधीर कुमार यादव, मंत्री राहुल कुमार राठी, प्राथमिक शिक्षा संघ के जिला मंत्री प्रशांत सिंह, वरिष्ठ उपाध्यक्ष राजेंद्र कुमार, दीपक कुमार गुप्ता, एकेश्वर सुंदरियाल, संजय कुमार,असीम चौहान, नितिन चौहान, मेहर सिंह, मोहित कुमार, उमेश कुमार रवि, विकास बिश्नोई, अनिल कुमार, संजीव कुमार, शत्रुघन सिंह ,हरपाल सिंह, नीरज कुमार, दीपक कुमार चौटाला, जयप्रकाश, गौरव कुमार, सनी मलिक, जगदेव सिंह, शरद शर्मा, हरीश चौहान, भंवर सिंह, करतार सिंह, शुभम कुमार, बलवंत त्यागी, करुणा चौहान, अंकित कपासिया, लकी सिंह, मीनू कश्यप, दीपांशु अग्रवाल,आदि मौजूद रहे। कार्यक्रम की अध्यक्षता पूर्व जिला अध्यक्ष देशराज सिंह तथा संचालन क्रांति कुमार शर्मा ने किया।